09 जनवरी 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

सीएम नीतीश ने छपरा में किया पांच सौ बेड के मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

2

तेजस्वी यादव का दावा... इंडिया गठबंधन अब खत्म

गठबंधन को झटका

केटी न्यूज/पटना

देश में विपक्ष का इंडिया गठबंधन अब खत्म हो गया है। यह दावा बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने किया है। तेजस्वी के मुताबिक विपक्षी एका सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए किया गया था। लोकसभा के बाद से ही यह खत्म हो गया है। पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में तेजस्वी यादव ने कहा कि दिल्ली में आप और कांग्रेस का गठबंधन न होना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ 2024 में बीजेपी के विजयी रथ को रोकने के लिए बना था। अब इसका कोई महत्व नहीं है। हालांकि, तेजस्वी ने यह जरूर कहा कि कांग्रेस और आरजेडी बिहार में गठबंधन कर चुनाव लड़ेगी।

हरियाणा और दिल्ली में बात नहीं बनी: लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हरियाणा और दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हुए। हरियाणा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन उसने आप और सपा को एक भी सीट नहीं दी। कांग्रेस ने यहां साफ शब्दों में गठबंधन न करने की बात कही।

दिल्ली में भी विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। यहां कांग्रेस आप के साथ समझौता करना चाह रही थी, लेकिन आप ने कांग्रेस को सीट देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद दोनों पार्टियां अकेले ही दिल्ली के चुनावी मैदान में है।

26 पार्टियों के साथ 2023 में बना था गठबंधन: जुलाई 2023 में बेंगलुरु की बैठक में विपक्ष की 26 पार्टियों ने इंडिया गठबंधन का स्ट्रक्चर तैयार किया था। गठबंधन के तहत तमिलनाडु, बिहार, यूपी, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में विपक्ष की पार्टियों ने मिलकर बीजेपी के खिलाफ उम्मीदवार उतारा। इंडिया गठबंधन को पूरे चुनाव में बड़ी सफलता तो नहीं मिल पाई, लेकिन गठबंधन ने बीजेपी को अकेले दम पर सत्ता में आने से रोक दिया। लोकसभा चुनाव में जहां एनडीए गठबंधन को 296 सीटों पर जीत मिली। वहीं इंडिया ने 236 सीटों पर जीत दर्ज की। लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं, जहां सरकार बनाने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है।

दिल्ली बीजेपी मंदिर प्रकोष्ठ के कई सदस्य आप से जुड़े

भाजपा को झटका

एजेंसी/नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को बड़ा झटका दिया है। दिल्ली बीजेपी के मंदिर प्रकोष्ठ के कई सदस्यों ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आप का दामन थाम लिया। इस मौके पर केजरीवाल ने कहा, आज मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली समझता हूं कि हमारे मंच पर जगतगुरु, महामंडलेश्वर, इतने संत-महात्मा आए हुए हैं और हमारे सामने भी इतने सारे संत और पंडित बैठे हैं। आप सब लोगों का आज के इस कार्यक्रम में मैं तहे दिल से स्वागत करता हूं। किस काम के लिए किसे तय करना है। मैं मानता हूं कि ये ऊपर वाला ही तय करता है। हम तो केवल निमित्त मात्रा हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली से शिक्षा क्रांति की शुरूआत हुई, ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करता हूं कि इस शिक्षा क्रांति की शुरूआत करने के लिए उसने हमें चुना। दिल्ली से स्वास्थ्य क्रांति की शुरूआत हुई, दिल्ली से बिजली के क्षेत्र में इतने बड़े-बड़े सुधार हुए जो कि पूरे देश के लिए एक रास्ता दिखाने वाली बात है, हम ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करते हैं कि अब सनातन धर्म के लिए इतना बड़ा काम किया जा रहा है। कहा, सनातन धर्म के लिए जो लोग 24 घंटे काम करते हैं, जो लोगों और भगवान के बीच एक तरह से सेतु का काम करते हैं, उनकी सेवा करने का मौका हमें मिला इसके लिए मैं अपने आपको और आम आदमी पार्टी को सौभाग्यशाली समझता हूं।

खबरें फटाफट

नागपुर में दंपत्ति ने शादी की 26वीं सालगिरह का जश्न मना दे दी जान

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल नागपुर में एक दंपत्ति ने सोमवार को अपनी शादी की 26वीं सालगिरह का जश्न मनाया। इस दौरान दोनों दंपत्ति अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ आधी रात तक जश्न मनाते रहे और मंगलवार सुबह दोनों ने आत्महत्या कर ली। पुलिस आत्महत्या की वजह का पता लगाने की कोशिश कर रही है। नागपुर के मार्टिन नगर इलाके में रहने वाले जेरिल डैमसन ऑस्कर मोनक्रिफ (57 वर्षीय) का शव उनके घर की रसोई में लटका हुआ पाया गया। वहीं जेरिल की पत्नी एनी (46 वर्षीय) का शव ड्राइंग रूम से बरामद हुआ। खास बात ये है कि एनी का शव शादी के जोड़े में पाया गया। पुलिस का मानना है कि पहले एनी ने अपनी जान दी। एनी की मौत के बाद जेरिल ने उसके शव को रस्सी से उतारा और फिर खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। जान देने से पहले दंपति ने सोमवार को अपनी शादी की 26वीं सालगिरह का जश्न मनाया और अपने दोस्तों व रिश्तेदारों के साथ आधी रात तक पार्टी की थी।

आंध्र प्रदेश में स्थापित होंगे हरित हाइड्रोजन केंद्र और औषधि पार्क

पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश को दो लाख करोड़ रु. की योजनाओं की दी सौगात

- पीएम मोदी बोले- आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन है
- बोले- 2030 तक पांच मिलिनिट मिट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन है हमारा लक्ष्य

एजेंसी/हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आंध्र प्रदेश को दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी। विशाखापत्तनम में आयोजित कार्यक्रम में पीएम परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें हरित हाइड्रोजन केंद्र और औषधि पार्क प्रमुखता से शामिल हैं। इससे पहले उन्होंने पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के साथ विशाखापत्तनम में रोड शो किया। पिछले वर्ष लगातार तीसरी बार पीएम का पद संभालने के बाद यह मोदी का राज्य का पहला दौरा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश का विकास हमारा विजन है। आंध्र प्रदेश के लोगों की सेवा हमारा संकल्प है। आंध्र प्रदेश को 2047 तक करीब 2.5 ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस विजन को साकार करने के लिए चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने स्वर्ण आंध्र एट 2047 की पहल की है। इसमें केंद्र की एनडीए सरकार भी आंध्र प्रदेश के हर लक्ष्य के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। इसलिए केंद्र सरकार लाखों करोड़ की योजनाओं में आंध्र प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दे रही है।

बोले मोदी...भविष्य की तकनीकियों का केंद्र बनेगा आंध्र प्रदेश

पीएम मोदी ने कहा, आज यहां दो लाख करोड़ से ज्यादा की लागत की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। ये परियोजनाएं आंध्र प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई देंगे। आंध्र प्रदेश अपने नवाचार की प्रकृति के कारण आईटी और तकनीकी का इतना बड़ा केंद्र है। अब समय है आंध्र नई और भविष्य की तकनीकियों का केंद्र बने। जो तकनीकी विकसित हो रही है, हम अभी से उसमें आगे रहें। उन्होंने कहा, ग्रीन हाइड्रोजन एक उभरता हुआ क्षेत्र है। देश ने 2023 में नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की शुरूआत की थी। हमारा लक्ष्य है कि 2030 तक पांच मिलिनिट मिट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन हो। इसके लिए शुरूआती चरण में दो ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र स्थापित होंगे। जिनमें से एक विशाखापत्तनम है। भविष्य में विशाखापत्तनम दुनिया के उन गिने-चुने शहरों में होगा, जहां इतने बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की सुविधा होगी। इस ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र से अनेक रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

पीएम मोदी ने इन प्रोजेक्ट्स का भी शुभारंभ व शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री ने 1518 करोड़ रुपए से 2500 एकड़ जमीन पर बने कृष्णापटनम इंडस्ट्रियल हब का वर्चुअली शुभारंभ किया। इससे 50 हजार लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा। नक्कापल्ली में 1877 करोड़ रुपए के बल्क ड्रग पार्क की वर्चुअली आधारशिला रखी गई। यह 11542 करोड़ रुपए की लागत से 2002 एकड़ जमीन पर बनेगा। जिससे 54 हजार लोगों को नौकरी मिलने की उम्मीद है।
तिरुपति जिले में चेन्नई-बेंगलुरु इंडस्ट्रियल कॉरिडोर प्रोजेक्ट के तहत ग्रीनफील्ड इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी बनाई जाएगी। इससे राज्य में 10500 करोड़ रुपए का निवेश आने और एक लाख लोगों को नौकरियां मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने रेलवे और सड़क परियोजनाओं का भी लोकार्पण और शिलान्यास किया, जिनकी कुल लागत 19500 करोड़ रुपए है। गुंटूर, बीबीनगर, गूटी और पेंडेकल्लू के बीच रेलवे डबलिंग वर्क्स की आधारशिला रखी।

72 लोगों ने नकली सोना दे बैंक को लगाया डेढ़ करोड़ का चूना

समस्तीपुर के बैंक ऑफ बड़ौदा का मामला

केटी न्यूज/पटना

बिहार के समस्तीपुर के बैंक ऑफ बड़ौदा गोला रोड शाखा को 72 लोगों ने नकली सोना देकर डेढ़ करोड़ रुपए का चूना लगाया है। ऑडिट के वक्त जब रिव्यू कमेटी ने गिरवी रखे सोने की जांच की तो इसका खुलासा हुआ। इसके बाद बैंक के सहायक महाप्रबंधक राजीव कुमार चौधरी के बयान पर नगर थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई है। बैंक ने अमरजीत शाह समेत 72 कर्जधारकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। बैंक ऑफ बड़ौदा के वरीय अधिकारियों की टीम अब जांच करने पहुंची है। वह सोना लेकर लोन देने वाले कर्मचारियों से भी पूदताछ कर रहे हैं। मामले में समस्तीपुर के एएसपी संजय पांडे ने कहा कि फजीर्वाड़ा कर लोन लेने की शिकायत मिली है। 72 लोगों पर नकली सोना देकर बैंक से करीब डेढ़ करोड़ रुपये कर्ज लेने का आरोप लगा है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। बैंककर्मियों से भी पूछताछ चल रही है। वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा।

बैंक अधिकारियों की मानें तो गोल्ड लोन योजना के तहत किसी भी व्यक्ति को सोने के मूल्य का 75 फीसदी लोन देता है। सोने की जांच के लिए बैंक ने पैनल में स्वर्ण कारोबारी अमरजीत शाह (समस्तीपुर के शंभू पट्टी) को सोने की जांच के लिए नियुक्त किया है। आरोप है कि कर्जधारकों ने अमरजीत शाह से ही सांठगांठ कर नकली सोना को रिपोर्ट में असली बता दिया और लोन स्वीकृत करा दिया। अधिकतर लोन एक से दो लाख रुपये तक के बीच के हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बैंक स्वर्ण आभूषणों की जांच अन्य शाखा में तैनात अधिकारी और जांचकर्ता द्वारा कराती है। इसके तहत वित्तीय वर्ष 22 -23 मे लिए गए गोल्ड लोन के लिए जमा कराए गए सोने में से 10 लोगों द्वारा जमा कराए गए सोने की जांच की गई। जांच के दौरान इन सभी कर्जधारकों द्वारा जमा किया गया सोना नकली पाया गया। उक्त वित्तीय वर्ष में गोल्ड लोन लेने वाले सभी धारकों के स्वर्ण की जांच कराई गई। इसमें से 72 लोगों का सोना नकली निकला। इसके बाद बैंक अधिकारियों के होश उड़ गये। तत्काल इस मामले में आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर सहायक महाप्रबंधक द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

रेलवे स्टेशनों व हवाई अड्डों पर संक्रमण की निगरानी का निर्देश

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में एचएमपीवी संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और अब तक देश में नौ मरीज इससे संक्रमित पाए गए हैं। वहीं संक्रमण के मामले बढ़ते देख केंद्र सरकार ने भी निगरानी तेज कर दी है और रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों पर निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

देश में एचएमपीवी संक्रमण के मामले बढ़ने पर हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य के सभी सिविल सर्जन के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। अभी तक हरियाणा में एचएमपीवी संक्रमण का कोई मामला नहीं मिला है। हालांकि सरकार ने स्वास्थ्य विभाग से सतर्क रहने को कहा है। कई राज्यों में सरकारों ने एचएमपीवी संक्रमण के खतरे को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी है और भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डों आदि पर लोगों की जांच की जा रही है। साथ ही अस्पतालों में खांसी-जुकाम के मरीजों पर विशेष ध्यान देने और उनकी स्क्रीनिंग के निर्देश दिए गए हैं। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस या एचएमपीवी संक्रमण, सांस से जुड़ा संक्रमण है, जिससे इंसानों की श्वसन प्रणाली में परेशानी होती है।

सड़क हादसों के पीड़ितों को मिलेगा कैशलेस इलाज

एजेंसी/नई दिल्ली

अब सड़क हादसों के पीड़ितों को केंद्र सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। सड़क हादसों में घायल होने वालों को कैशलेस उपचार मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस उपचार योजना का एलान किया। इसके तहत हादसों के पीड़ितों का सात दिन के इलाज का 1.5 लाख रुपये तक का खर्च सरकार वहन करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर पुलिस को हादसे के 24 घंटे के अंदर सूचना दे दी जाती है तो सरकार इलाज का खर्च उठाएगी। इसके साथ ही उन्होंने हिट एंड रन के मामलों में भी पीड़ित परिवारों को दो लाख रुपये तक मुआवजा देने की घोषणा की।

मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत मंडपम में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों के साथ बैठक की थी। इसमें परिवहन संबंधी नीतियों और केंद्र व राज्य के बीच सहयोग को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने कैशलेस उपचार की योजना शुरू की है। इसके तहत अगर दुर्घटना होने के 24 घंटे के अंदर पुलिस को सूचना दी जाती है तो हम भर्ती होने वाले मरीज के सात दिनों के इलाज का खर्च और इलाज के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक देंगे। इसके साथ ही हम हिट एंड रन मामलों के मृतकों को दो लाख रुपये देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 2024 में लगभग 1.80 लाख लोगों की सड़क हादसों में जान चली गई। इसमें से 30 हजार मौतें हेलमेट न पहनने के कारण हुईं।

मुजफ्फरपुर में 80 लाख रु. की 1680 किलो इंसानी बाल जब्त

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर डीआरआई ने इंसानी बाल की बड़ी खेप बरामद की है। डीआरआई ने चीन ले जाए जा रहे इंसानी बाल, इंडो नेपाल बॉर्डर से जब्त किया है। डीआरआई ने यह कार्रवाई उस वक्त की जब ट्रक, मधुबनी के मधवापुर बॉर्डर को पार कर रहा था।

ट्रक के तहखाने में 1680 किलो इंसानी बाल को छिपाकर रखा गया था, जिसकी कीमत 80 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में बंगाल के मुर्शिदाबाद और बिहार से कुल तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों की मानें तो गुप्त सूचना मिली थी कि बंगाल नंबर के एक ट्रक पर तस्करी करके मानव बाल की खेप मधुबनी बॉर्डर से नेपाल ले जाया जा रहा है। इसी आधार पर डीआरआई ने मधवापुर में नाकेबंदी करके ट्रक को पकड़ा और बोरा में पैक 1680 किलो मानव बाल बरामद किया।

तस्करों से पूछताछ के दौरान जो बातें सामने आई हैं उसके अनुसार बरामद इंसानी बालों को दक्षिण भारत के कई तीर्थ स्थलों से चुराकर इकट्ठा किया गया था। तिरुपति बालाजी मंदिर में होने वाले मुंडन से सबसे अधिक बाल जुटाए गए थे।

ट्रैक पर रखे पोल से टकराई चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस

मुजफ्फरपुर। आनंद बिहार से आ रही चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे पोल टकरा गई। रेल पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की रात मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज रेलखंड के पूर्वी चंपारण के चैलाहा हॉल्ट के 169 किलोमीटर के पास असामाजिक तत्वों ने डाउन रेलवे ट्रैक पर सीमेंट का पोल रखकर ट्रेन को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश की। चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। सूत्रों ने बताया कि चैलाहां हाल्ट पर बनवाए गए सिमेंटेड बेंच को असामाजिक तत्वों ने तोड़कर उसे डाउन ट्रैक पर लाकर रख दिया था।

प्रयागराज के महाकुंभ में शाही स्नान करने के लिए बनाए गए हैं खास नियम

महाकुंभ में 13 जनवरी को पहला शाही स्नान, 26 फरवरी को अंतिम

एजेंसी/प्रयागराज

महाकुंभ में शाही स्नान करने के लिए खास नियम बनाए गए हैं। ये स्नान सुबह ही सुबह किया जाता है। इसके साथ ही शाही स्नान पहले साधु संतों के द्वारा किया जाता है। उसके बाद आमजन इस स्नान को कर सकते हैं। शाही स्नान के समय साबुन और शौंपू का लगाना वर्जित माना जाता है। इसके साथ ही शाही स्नान करने के बाद दान जरूर करना चाहिए। आप स्नान के बाद अपनी क्षमतानुसार लोगों को दान कर सकते हैं।

शास्त्रों में महाकुंभ का बहुत ही खास महत्व है। इस समय में शाही स्नान किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शाही स्नान

करने से व्यक्ति को जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिल जाती है। शाही स्नान अधिकतर साधु संत के द्वारा किया जाता है, लेकिन अब आमजन द्वारा भी ये स्नान किया जाता है। शाही स्नान करने मात्र से ही साधक को सभी तरह के पापों से मुक्ति मिल जाती है और उनका मन पवित्र हो जाता है।

इस दिन होगा शाही स्नान

13 जनवरी – शाही स्नान, पौष पूर्णिमा
14 जनवरी – शाही स्नान, मकर सक्रांति
29 जनवरी – शाही स्नान, मौनी अमावस्या
3 फरवरी – शाही स्नान, बसंत पंचमी
12 फरवरी – शाही स्नान, माघी पूर्णिमा
26 फरवरी– स्नान, महाशिवरात्रि

महाकुंभ के दौरान मुख्य स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं को चार स्थानों से मेला क्षेत्र में प्रवेश दिया जाएगा। वह काली सड़क होकर संगम जा सकेंगे, जबकि वापसी त्रिवेणी मार्ग से कर सकेंगे। 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा व 14 को मकर संक्रांति पर यही व्यवस्था लागू होगी। एसएसपी कुंभ राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्य स्नान पर्व पर भीड़ अधिक होगी। इसी को देखते हुए मुख्य स्नान पर्व व सामान्य दिनों में मेला क्षेत्र के भीतर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए अलग-अलग प्लान बनाए गए हैं। मुख्य स्नान पर्व पर मेला क्षेत्र में चार प्वाइंटों से एंट्री की जा सकेगी। इनमें जीटी जवाहर, हर्षवर्धन तिराहा, बांगड़ चौराहा व काली मार्ग-दो शामिल हैं। मेले के अंदर आने के बाद श्रद्धालु काली सड़क होकर काली रैंप से अपर संगम मार्ग होकर संगम जा सकेंगे। वापसी त्रिवेणी मार्ग से होगी। श्रद्धालुओं को वापसी के दौरान भी किसी तरह की समस्या न हो और वह अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच जाएं।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कमांडिंग ऑफिसर ने कोडालिया नदी क्षेत्र पर नियंत्रण का किया दावा

एजेंसी/नई दिल्ली

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में यूनुस सरकार के गठन के बाद से बांग्लादेश और भारत के रिश्तों में लगातार खटास आ रही है. बांग्लादेश में भारत विरोधी शक्तियां अपनी ताकत बढ़ा रही है। वहां के नेता भारत विरोधी बयान दे रहे हैं। अब फिर बांग्लादेश ने भारत विरोधी तेवर दिखाए हैं। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के एक कमांडिंग ऑफिसर ने जेनाइदाह जिले के महेशपुर उपजिला में कोडालिया नदी के लगभग पांच किलोमीटर के क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित करने का दावा किया। इस इलाके पर अभी तक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का कब्जा था।

बीजीबी के दावे के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों में तनाव और बढ़ने की आशंका है। हालांकि, बीएसएफ ने दावे से इनकार किया और कहा कि बीजीबी को एक विरोध पत्र भेजा गया है। बीएसएफ ने बीजीबी के दावे के बारे में केंद्र सरकार को भी सूचित किया है। बीजीबी कमांडर ने नदी के तट पर खड़े होकर दावा किया कि जो नदी आप देख रहे हैं, उसे स्थानीय तौर पर कोटला नदी के नाम से जाना जाता है। आधिकारिक तौर पर हम इसे कोडालिया नदी के नाम से जानते हैं। पहले, यदि कोई बांग्लादेशी नागरिक नदी के करीब आता था या उसके पानी में उतरने की कोशिश करता था, तो हमारी प्रतिद्वंद्वी सेना (बीएसएफ) उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर देती थी। चूंकि यह नदी बांग्लादेश के अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए हमने इस पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है।

प्रगति यात्राः नीतीश कुमार ने 36 योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

सीएम ने छपरा में किया पांच सौ बेड के मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

केटी न्यूज/छपरा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ने सार्रण जिले में विकास की नई कहानी लिखी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कुल 36 योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनकी अनुमानित लागत 629.18 करोड़ रुपये है। इनमें 500 बेड के नवनिर्मित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल का उद्घाटन प्रमुख है, जो जय प्रकाश विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है।

विकास कार्यो में प्रमुख योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटनः मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य विकास विभाग, जल संसाधन विभाग और पर्यटन एवं पथ निर्माण विभाग की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इनमें 16 योजनाओं का उद्घाटन और 20 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। सारण जिले के विभिन्न हिस्सों में इन परियोजनाओं से लोगों को आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं में राहत मिलने की उम्मीद है।

500 बेड के मेडिकल कॉलेज की शुरुआतः जय प्रकाश विश्वविद्यालय परिसर में 500 बेड के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल का उद्घाटन किया गया। यह अस्पताल न केवल स्थानीय लोगों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा, बल्कि मेडिकल छात्रों के लिए शिक्षा और शोध का केंद्र भी बनेगा। मुख्यमंत्री ने इसे जिले के विकास के लिए एक मील का पत्थर बताया। डोरीगंज से विशुनपुरा एलिवेटेड पथ का निर्माण- मुख्यमंत्री ने संवाद यात्रा के दौरान विशुनपुरा में लोगों की मांग पर डोरीगंज बाजार से विशुनपुरा तक एलिवेटेड पथ के निर्माण की घोषणा की। यह पथ राजधानी पटना और छपरा के बीच आवागमन को सुगम बनाएगा। एनएच-19 का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण- राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-19 के छपरा सेक्शन का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कराया जाएगा। इससे पटना, छपरा, सीवान और गोपालगंज के बीच यात्रा आसान होगी।एकमा-मशरख पथ का चौड़ीकरण- मुख्यमंत्री ने एकमा से डुमाइगढ़ और एकमा-मशरख पथ के चौड़ीकरण की घोषणा की। यह पथ भारी वाहनों के लिए सुगम होगा और क्षेत्र के आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। छपरा में नए आरओबी और वैकल्पिक मार्गों की घोषणा- मुख्यमंत्री ने छपरा शहर में सुगम आवागमन के लिए चार नए रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाने की घोषणा की। भिखारी ठाकुर ढाला, जगदम कॉलेज ढाला, गड़खा ढाला और रामनगर ढाला पर आरओबी का निर्माण होगा। इसके अलावा, खैरा-बिन टोलिया पथ और सारण तटबंध पर सिंगल लेन पथ को डबल लेन में बदलने की योजनाएं भी घोषित की गईं।सोनपुर में बाबा हरिहरनाथ मंदिर क्षेत्र का विकास- मुख्यमंत्री ने सोनपुर के बाबा हरिहरनाथ मंदिर क्षेत्र का समग्र विकास करने की घोषणा की। एनएच-19 से सीधे नखास क्षेत्र तक पथ चौड़ीकरण से श्रद्धालुओं को सुविधा होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिया निर्देश

समाहरणालय परिसर में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सारण जिले में विकास के लिए व्यापक काम किया है, लेकिन जो कमियां रह गई हैं, उन्हें जल्द पूरा किया जाएगा। हमारी सरकार आम जनता की समस्याओं का समाधान करने और विकास को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरे में मुख्यमंत्री ने जनसमस्याएं सुनीं और सारण जिले को योजनाओं की सौगात देकर लौटे। उनके साथ सभी विभागीय मंत्री, विधायक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। यह यात्रा सारण जिले के विकास में एक नया अध्याय लिखने की दिशा में अहम साबित होगी।

आतंकवाद निरोधक दस्ता के एसपी बने नीरज कुमार सिंह

पटना। पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल हुआ है। बिहार प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों का तबादला हुआ है। युवा आईपीएस अधिकारी चंद्र प्रकाश को बोधगया भेज दिया है। अब उन्हें बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-17, बोधगया का समादेष्टा बनाया गया है। आईपीएस नीरज कुमार सिंह को आतंकवाद निरोधक दस्ता का एसपी बनाया गया है। वह सहायक पुलिस महानिरीक्षक (निरीक्षण), पटना में पदास्थापित थे। 2014 बैच के अधिकारी संजय भारती को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (निरीक्षण), पटना में तैनात किया गया है। वह कटिहार रेल में एसपी थे। इधर, विशेष कार्य बल (अभियान) के पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-1 में समादेष्टा बनाया गया है। वह विशेष कार्य बल (अभियान), पटना के एसपी के प्रभार में रहेंगे।

मोबाइल से फोटो खींचकर चालान काटने पर रोक, अब केवल हैंड हेल्ड डिवाइस का इस्तेमाल अनिवार्य

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अब ट्रैफिक पुलिस वाले मोबाइल से फोटो खींचकर चालान नहीं काट पाएंगे। ये नया आदेश पुलिस मुख्यालय ने जारी किया है। इसके पीछे वजह है लोगों की शिकायतें थीं। लोगों ने शिकायत की थी कि कुछ पुलिसवाले मोबाइल से फोटो लेकर गलत तरीके से चालान काट रहे हैं। अब सिर्फ एचएचडी मशीन से ही चालान कटेगा। साथ ही, दारोगा से नीचे के पुलिसकर्मी चालान नहीं काट सकेंगे। इस नियम का पालन न करने वाले पुलिसवालों पर कार्रवाई होगी। अब मोबाइल से फोटो खींचकर चालान नहीं कटेगा। बिहार में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर अब मोबाइल से फोटो खींचकर चालान नहीं कटेगा। अपर पुलिस महानिदेशक यातायात सुधांशु कुमार ने सभी बड़े पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अब हर हाल में हैंड हेल्ड डिवाइस से ही चालान काटा जाएगा और जुमार्ना वसूला जाएगा। इसके अलावा,दारोगा के नीचे की रैंक वाले पुलिसकर्मी चालान नहीं काट पाएंगे। यह नियम पहले से ही था, लेकिन अब इसे सख्ती से लागू किया जाएगा।पुलिस मुख्यालय को कई शिकायतें मिली थीं। लोगों का कहना था कि कुछ जिलों में सिपाही मोबाइल से गाड़ियों के नंबर प्लेट की फोटो खींचकर बाद में एचएचडी से ई-चालान बना रहे थे।

इसके अलावा, दारोगा से नीचे के पुलिसकर्मी भी लोगों को चालान का डर दिखाकर पैसे ले रहे थे। इन शिकायतों के बाद पुलिस मुख्यालय ने यह कदम उठाया है। अब नियम तोड़ने पर संबंधित पुलिसकर्मी पर भी कार्रवाई की जाएगी। बिहार के सभी जिलों में अब लाल-पीली पर्ची वाला मैनुअल चालान बंद हो चुका है। इसकी जगह अब ई-चालान होता है। इसके लिए जिलों को 1800 से ज्यादा एचएचडी मशीनें दी गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि एचएचडी मशीन से चालान करने पर फोटो में लोकेशन, तारीख और समय भी दर्ज होता है। इससे पारदर्शिता बनी रहती है। इसी पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए यह नया आदेश जारी किया गया है।इस नए नियम से उम्मीद है कि ट्रैफिक चालान की प्रक्रिया में और पारदर्शिता आएगी। लोगों को बेवजह परेशान नहीं किया जा सकेगा। साथ ही, पुलिसवालों की जवाबदेही भी तय होगी।

बियाडा में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी का गठन

गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार ने गया में महत्वाकांक्षी इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर परियोजना को गति देने के लिए बिहार इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिटी गया लिमिटेडनामक विशेष प्रयोजन वाहन का गठन किया है। यह परियोजना राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के हजारों अवसर सृजित करेगी। जानकारी के मुताबिक, छह जनवरी 2025 को पंजीकृत बीईएमसीजीएल, आईएमसी गया परियोजना के त्वरित क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगा।

जरूरत पड़ने पर हो सकता है शिक्षक नियमवाली में संशोधन : शिक्षा मंत्री

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने शिक्षक नियमावली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विशिष्ट शिक्षक नियुक्ति और प्रधानाध्यापक नियुक्ति को लेकर भी बड़ी बात कही है। उन्होंने शिक्षक नियमावली में जरूरत पड़ने पर संशोधन की बात कही है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि विशिष्ट शिक्षकों को कुछ हजार पदों पर दोबारा मौका देने की बात चल रही है। परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने स्पष्ट किया कि नई शिक्षक नियमावली का अध्ययन किया जा रहा है। इसमें जरूरत के अनुसार बदलाव भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमने जो भी नियमावली बनाई है उसमें जो भी आवश्यकता पड़ेगी उसका अध्ययन कर रहे हैं। दायर की गई याचिकाओं पर भी विचार किया जा रहा है। लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखा जाएगा कि विशिष्ट शिक्षकों के लगभग 2.5 लाख पदों पर चयन हो चुका है। अब कुछ हजार पद ही बचे हैं जिनके लिए फिर से मौका दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि जो भी पिटीशन आ रहा है। उसको हम लोग निश्चित रूप से गौर कर रहे हैं और जो नियम संगत विधि संगत होगा वो करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि सभी परीक्षाएं सुचारू रूप से आयोजित की गई हैं। कुछ जिलों में टछ्उ चुनाव के दौरान भी नियुक्ति पत्र दिए गए। हम लोगों ने सुचारू रूप से सभी परीक्षाएं करवाई हैं। पिछली बार 1,14,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र दिए गए थे।

जहानाबाद सांसद बोले... प्रशांत किशोर है दिल्ली के दलाल, माई बहन योजना आम जनता के लिए

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद में सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ने 15 जनवरी को आयोजित राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ता संवाद यात्रा की तैयारियों के दौरान कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रशांत किशोर पर तीखा हमला बोला। सांसद ने जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को दिल्ली सरकार का दलाल करार दिया और कहा कि वह बिहार के छात्रों के लिए कोई भला नहीं कर सकते। सांसद सुरेंद्र यादव ने कहा कि प्रशांत किशोर का उद्देश्य भाजपा को मजबूत करना है। वह छात्रों के कार्यक्रमों में शामिल होकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहते हैं। लेकिन बिहार की जनता उनकी मंशा को अच्छी तरह समझती है। उन्होंने कहा कि बिहार में नौकरी का मतलब तेजस्वी प्रसाद है। अपने 17 महीने के कार्यकाल में तेजस्वी यादव ने युवाओं को नौकरियों की सौगात दी है। उनकी लोकप्रियता से केंद्र सरकार डरी हुई है। प्रशांत किशोर जैसे लोगों को सामने लाकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यह संभव नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा पर भी सांसद ने निशाना साधा। उन्होंने इसे पैसे की बबार्दी करार दिया। उन्होंने कहा कि यात्रा के नाम पर ढाई सौ करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिससे बिहार का भला नहीं होगा। सांसद ने सुझाव दिया कि यह पैसा उद्योग-धंधे खोलने में लगाया जाता तो बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सकता था। तेजस्वी यादव की माई-बहन योजना को लेकर जब सांसद से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हम सत्ता के लिए राजनीति नहीं करते। लालू प्रसाद ने हमेशा गरीबों के हित में काम किया है और तेजस्वी यादव युवाओं और महिलाओं को सम्मान देना चाहते हैं।

किशनगंज रेलवे स्टेशन से छह नाबालिग बच्चे बरामद

किशनगंज। किशनगंज में रेलवे स्टेशन पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई कर छह नाबालिग बच्चों को बरामद किया है, जिन्हें बाल मजदूरी कराने के लिए दिल्ली और मुंबई भेजा जा रहा था। गुप्त सूचना मिली कि कुछ नाबालिग बच्चों को काम के लिए इन शहरों में भेजा जा रहा था। सूचना मिलते ही जन निर्माण केंद्र किशनगंज की टीम ने रेलवे पुलिस बल और रेल थाना पुलिस के साथ मिलकर रेलवे स्टेशन पर सघन जांच अभियान शुरू किया। इस दौरान टीम ने कुछ बच्चों को संदेहजनक स्थिति में बैठे हुए पाया। जब इन बच्चों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने बताया कि वे काम के लिए दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई जा रहे थे। कुछ बच्चे अकेले थे, जबकि कुछ बच्चों के साथ अनजान व्यक्ति मौजूद था।

अधिकांश जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना

बिहार में पछुआ हवा ने बढ़ाई ठंड, अगले तीन दिनों तक मौसम में खास परिवर्तन की संभावना नहीं

केटी न्यूज/पटना

बिहार में सर्द पछुआ हवाओं के कारण बुधवार को दिनभर शीतलहर की स्थिति बनी रही। ठंड के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। इस बीच, मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि अगले तीन दिनों तक मौसम में कोई खास परिवर्तन की संभावना नहीं है। पटना मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के उत्तरी भाग के एक-दो स्थलों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। जबकि, बाकी के हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहा। सर्वाधिक अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस किशनगंज में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस छपरा में दर्ज किया गया। पटना मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि अगले तीन दिनों तक प्रदेश के न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। इसके बाद अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री वृद्धि होने का पूर्वानुमान है। राज्य के उत्तर-मध्य, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व भागों के अधिकांश जिलों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। जबकि, राज्य के शेष भागों के अधिकांश जिलों में सुबह के समय हल्के और मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है। बताया गया कि कई जगहों पर उच्चतम तापमान और न्यूनतम तापमान में अंतर बेहद कम होने के कारण लोग दिनभर ठंड महसूस कर रहे हैं। पटना में अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री का अंतर है। राज्य में कोहरे की स्थिति बनी हुई है, जिससे कई जगहों में शीत दिवस जैसी स्थिति देखी गई। बुधवार को पटना में हल्की धूप निकली। हालांकि, ठंडी हवा के कारण धूप की तपिश लोगों ने कम महसूस की। बुधवार को कई क्षेत्रों में कोहरे की सघनता मंगलवार की अपेक्षा कम देखी गई। लगातार तापमान के गिरावट से आमजनजीवन पर गहरा असर पड़ रहा है। अधिकत्तर जिले में स्कूलों की छुट्टी बढ़ा दी गई है। वहीं अस्पतालों में भीड़ बढ़ी है।

पेंडिंग केसों का शीघ्र निष्पादन करें अनुमंडल के सभी थानाध्यक्षः एसपी

♦ एसपी ने डुमरांव थाने में अनुमंडल के सभी थानों के लंबित कांडों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

एसपी शुभम आर्य ने बुधवार को डुमरांव थाने में अनुमंडल के सभी थानों के लंबित कांडों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी थानाध्यक्षों से लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, फरार वारंटियों व अपराधियों को गिरफ्तार करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्देश दिया।

इस दौरान एसपी ने राज्य से बाहर के अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं सत्यापन हेतु टीम बनाकर कार्रवाई का निर्देश। सभी थानाध्यक्षों से उनके थाना में लंबित कांडों, फरार वारंटियों व अपराधियों की जानकारी हासिल की तथा लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन के साथ ही फरार वारंटियों व अपराधियों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। एसपी ने कहा कि अगली मीटिंग में यदि पुराने केस पेंडिंग दिखे तो संबंधित पुलिस पदाधिकारी व थानाध्यक्ष पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को स्कूल-कॉलेजों, बैंक व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर पुलिस गश्त बढ़ाने का निर्देश दिए।

छात्राओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना है : एसपी ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना है। इसके अलावे बैंकों का नियमित निरीक्षण करना है, ताकी अपराधी व लूटेरे अपने मंसूबे में कामयाब न हो पाए। उन्होंने कहा कि दिन के साथ पुलिस रात में भी गश्त करें। ताकी शराब तस्कर व अपराधियों पर लगाम लगाया जा सकें। उन्होंने थानाध्यक्षों को अपने क्षेत्र के फरार वारंटियों व अपराधियों की सूची बना, उन्हें तत्काल गिरफ्तार करें।

शराब निर्माण करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाएं : वहीं शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने, शराब तस्करी के जीरो टॉलरेंस की नीति को धरातल पर उतारने तथा नियमित वाहन चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश एसपी ने दिया। एसपी ने कहा कि सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने थाना क्षेत्र में शराब निर्माण करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाए। अंत में एसएपी ने डुमरांव थाने का निरीक्षण भी किया तथा कई आवश्यक निर्देश थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत को दिए।

खबरें फटाफट

हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

नावानगर। हत्याकांड के एक अभियुक्त को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त वासुदेवा थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी शत्रुधन कुमार है। जिसकी गिरफ्तारी बगेन थाना क्षेत्र के पोखरहा से हुई है। बता दें कि बीते वर्ष अगस्त माह में थाना क्षेत्र के परमडिह पुल के समीप नहर से एक युवक का शव बरामद हुआ था। इस मामले मृतका के परिजनों ने पांच लोगों पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया था। जिसमें चार आरोपितों को पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि आरोपी शत्रुध्न कुमार फरार चल रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना पर उसे पोखरहां से धर दबोचा।

युवक ने लगाई फांसी

सिमरी। तिलक राय के हाता ओपी क्षेत्र अंतर्गत छोटका राजपुर गांव में एक युवक के द्वारा परिवारिक कलह की वजह से आत्महत्या का मामला प्रकाश में आया हैं। जानकारी के अनुसार 38 वर्षीय सतेंद्र कमकर पिता भरत कमकर बुधवार को घरेलु विवाद में फांसी के फंदे पर लटक अपनी इहलीला समाप्त कर लिया। जब घर वाले को मालूम चला तो रोना-पीटना मच गया। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इधर सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

बोले किसान... एक-दो रुपये में बेचनी पड़ रही फूलगोभी, लागत खर्च निकालना भी मुश्किल

फूलगोभी की बंपर पैदावार किसानों के लिए बनी मुसीबत, नहीं मिल रहा बाजार

♦ लग्न नहीं होने व बंपर उत्पादन के बाद बाजार भाव नहीं मिलने से मायूस है किसान

केटी न्यूज/डुमरांव

इन दिनों फूलगोभी का बंपर उत्पादन हो रहा है। सिमरी, डुमरांव, चक्की, ब्रह्मपुर आदि प्रखंडो में हर दिन खेतों से सैकड़ो टन फूलगोभी निकल रही है, लेकिन यह बंपर उत्पादन किसानों के लिए मुसीबत बन गया है। फूलगोभी की खेती के अनुकूल मौसम में बाजार नहीं मिलने से किसानों को भाव नहीं मिल पा रहा है। जिस कारण फूलगोभी की खेती करने वाले किसानों के लिए लागत खर्च निकालना भी मुश्किल हो रहा है। कई किसान तो अपने फूलगोभी को खेतों में ही छोड़ रहे है तो कई उस पर टैज्क्टर चलवा दूसरी फसल या सब्जी बोने के लिए खेत तैयार कर रहे है। बंफर उत्पादन के बाद बाजार में उसका भाव नहीं मिलने से किसानों में मायूसी छाई है। किसानों का कहना है कि बाजार में फूलगोभी एक से दो रूपए प्रति पीस बेचने पर भी खरीददार नहीं मिल रहे है। जिससे यह फसल उनके लिए मुसीबत बनते जा रही है।

बड़े पैमाने में होती है फूलगोभी की खेती : डुमरांव अनुमंडल इलाके में फूलगोभी की खेती बड़े पैमाने पर होती है। डुमरांव के अलावे स्थानीय प्रखंड के पुराना भोजपुर, नया भोजपुर, ढकाई, धरहरा, कृष्णाब्रह्म, सिमरी प्रखंड के मझवारी, नगवां, धनंजयपुर, नगवा बिंदडेरा, चांदपाली, पड़री, चक्की के अरक, कठार, चक्की तथा ब्रह्मपुर प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र के बड़े भू-भाग पर फूलगोभी की खेती की जाती है। इस बार भी किसानों ने हजारों बीघा में फूलगोभी की खेती की है। हर दिन बड़े पैमाने पर उत्पादन भी हो रहा है, लेकिन खरीददार नहीं मिल रहे है। जिससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई है।

पिछले साल की तुलना में डेढ़ से दो गुना हो रहा उत्पादन : नया भोजपुर के प्रगतिशील किसान आशुतोष पांडेय ने बताया कि इस बार गोभी का भाव नहीं मिल रहा है, जबकि उत्पादन बहुत अच्छा हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल इस मौसम की तुलना में इस बार डेढ़ से दो गुना अधिक उत्पादन हो रहा है। किसानों ने बड़े पैमाने में फूलगोभी के साथ ही अन्य सब्जियों की खेती की है, लेकिन सब्जी का बाजार काफी मंदा है। वही नया भोजपुर के किसान रामबाबू पांडेय, महेन्द्र मिश्र, पुराना भोजपुर के केदार सिंह महंत सिंह, डुमरांव के राजेश राय, बिंदडेरा के मनोज चौधरी, धरहरा के सोनू कुशवाहा सरीखे किसानों की माने तो फूलगोभी के साथ ही टमाटर, मिर्च, पत्ता गोभी, कद्दू, पालक जैसे सब्जियों का उत्पादन अधिक होने तथा बाजार में मांग नहीं होने से भाव नहीं मिल रहा है। जिस कारण किसानों को इस बार सब्जी की खेती करना महंगा पड़ रहा है।

17 जनवरी से शुरू होगा शुभ लग्न : बता दें कि खरमास बीतने के बाद 17 जनवरी से शुभ लग्न शुरू हो रहे है। इसके बाद सब्जियों के भाव बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, तबतक अभी जिस फूलगोभी व पत्ता गोभी का उत्पादन हो रहा है, वह टिक नहीं पाएगा। जिस कारण किसान औने पौने दामों में गोभी बेच नई फसल की खेती करने की जुगत लगा रहे है।

बाहर के बाजारों से नहीं आ रही डिमांड

बता दें कि अभी खरमास का समय चल रहा है। ऐसे में बाहर के बाजारों में स्थानीय स्तर पर उत्पादित फूलगोभी की डिमांड नहीं हो रही है। किसानों का कहना है कि लग्न के सीजन में बक्सर की मंडियों के अलावे आरा, पटना, यूपी के बलिया, मउ, गाजीपुर, बनारस, आजमगढ़ के साथ ही झारखंड के बाजारों में डिमांड होती थी। किसानो का कहना है कि इस मौसम में बड़े पैमाने पर गोभी के साथ ही टमाटर, मिर्च समेत अन्य हरी सब्जिया दूर-दूर की मंडी में जाती थी तथा किसानों को इसका अच्छा भाव भी मिलता था, लेकिन इस बार फूलगोभी का अधिक उत्पादन होते ही डिमांड घट गई है। जिस कारण किसानों को फूलगोभी बेच लागत खर्च व मजदूरी निकालना भी मुश्किल हो रहा है। यही कारण है कि किसान खेतों में ही गोभी की फसल को छोड़ रहे है।

हत्यारोपित पति को मिली आजीवन कारावास की सजा, 20 हजार अर्थदंड

केटी न्यूज/बक्सर

हत्या के मामले में बुधवार को जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय प्रभाकर दत्त मिश्र की कोर्ट ने इटाडी थाना कांड संख्या 203/2021 में नामजद अभियुक्त विजयंत सिंह को आजीवन कारावास के साथ 20 हजार का अर्थ दंड भी लगाया है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर ने बताया कि एक जुलाई 2021 को इटाढ़ी थाना क्षेत्र के गोपीनाथपुर गांव के रहने वाला विजय सिंह ने अपनी पत्नी उषा देवी की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी।

मृतिका के पिता मुद्रिका सिंह यादव, ग्राम विक्रम इंग्लिश, थाना सिकरौल ने प्राथमिकी दर्ज कराया था। जिसमें बताया था कि उसने अपनी बेटी ऊषा देवी की शादी विजयंत सिंह के साथ किया था जहां उसे मारा पीटा जाता था। उक्त मारपीट की सूचना पीड़िता द्वारा अपने पिता को फोन से कई बार दी थी। इसी बीच एक जुलाई 2021 को यह सूचना मिली कि उसकी पुत्री की हत्या कर दी गई है। जब वह भागा भागा उसके ससुराल पहुंचा तो देखा कि उषा देवी की लाश पड़ी हुई है। जिसकी धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। उक्त मामले में सूचक ने विजयंत सिंह एवं मृतका के सौतेले बेटे राजा बाबू के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई थी। जहां न्यायालय ने विजयंत सिंह को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, 20 हजार रुपए का अर्थ दंड भी लगाया है।

कार्यालयों में अनुपस्थित 15 कर्मी को डीएम ने जारी किया शो-कॉज, वेतन भी स्थगित

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बुधवार की सुबी 10:30 बजे से कलेक्ट्रेट स्थित स्थापना शाखा, शस्त्र शाखा, लोक सूचना शाखा, विकास शाखा, जिला भू-अर्जन कार्यालय एवं सामाजिक सुरक्षा कोषांग का औचक निरीक्षण किया। जिनमें कई कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

जिनमें स्थापना शाखा के प्रधान लिपिक जगनारायण राय, लिपिक हरि नरायण सिंह, लिपिक मुकेष कुमार, लिपिक गोविन्द कुमार, लिपिक सुनील कुमार, लिपिक चन्द्र भूषण सिंह, कार्यपालक सहायक बबली कुमारी व कार्यपालक सहायक रीचा कुमारी एवं चपरासी शैलेश कुमार शामिल हैं। वहीं, जिला भू-अर्जन कार्यालय के सहायक प्रशासी पदाधिकारी कन्हैया लाल, लिपिक उपेन्द्र कुमार सिंह, लिपिक जगनारायण प्रसाद, लिपिक मो. महताब अहमद अमीन आदिती प्रिया शामिल रहे। दूसरी ओर, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के कर्मी राजेश कुमार सिंह भी अनुपस्थित पाए गए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया गया कि अनुपस्थित पाए गए सभी कर्मी अपने प्रभारी पदाधिकारी के माध्यम से स्पष्टीकरण समर्पित करेंगे कि इसके लिए क्यों नहीं उनके विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। स्पष्टीकरण स्वीकृत होने तक अनुपस्थित अवधि का वेतन व मानदेय स्थगित रहेगा। निरीक्षण के क्रम में संबंधित प्रभारी पदाधिकारी, विकास शाखा, शस्त्र शाखा, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग बक्सर को निर्देश दिया गया कि भविष्य में नियमित रूप से कार्यावधि अनुसार अपने कार्यालय कक्ष में उपस्थित रहकर कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। समाहरणालय के भूतल पर अवस्थित शौचालय का निरीक्षण किया गया।

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बक्सर सर्किट हाउस में की प्रेस कॉन्फ्रेंस, बोले...

प्रगति यात्रा नहीं ये दुर्गति यात्रा है, इससे बिहार का नहीं होगा विकास

♦ बिहार एक गरीब राज्य, सिर्फ यात्रा पर खर्च हो रहे है दो अरब से अधिक रूपए, चुनाव में जनता लेगी हिसाब

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति नहीं, दुर्गति यात्रा है। इससे बिहार का विकास नहीं होने वाला है। इस यात्रा का चार बार नाम बदलना पड़ा। मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा पर 2 अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। गरीब राज्य है, इससे जनता का विकास कैसे होगा? यात्रा में आमजन से बात नहीं होती, केवल पटना में बैठने वाले कुछ चंद अधिकारियों के साथ ही वार्ता करते है। इससे जनता का क्या भला होगा? उक्त बातें बुधवार को राजद के कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में पहुंचे राज्य के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रेसवार्ता के दौरान कही।

फसल के साथ-साथ मिट्टी भी कमजोर हो जाती है : नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में 20 वर्ष में एक ही किस्म के बीज बोने से फसल के साथ-साथ मिट्टी भी कमजोर हो जाती है। अब नई किस्म के बीज लगाना होगा, जिससे आने वाले नस्लों को मजबूत किया जा सकें। 20 साल बिहार में व 11 वर्षों से केंद्र में डबल इंजन की सरकार यानी एनडीए की सरकार है। बिहार को नंबर वन राज्य बनाने की बात कही गई थी, लेकिन हकीकत यह है कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार गरीबी, पलायन, और बेरोजगारी में बिहार सबसे ऊपर है। अबतक बिहार आगे नहीं बढ़ सका। तेजस्वी ने विशेष राज्य के दर्जे के वादे का भी जिक्र करते हुए कहा यह वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने इसे जनता के साथ धोखा बताया। उन्होंने नीतीश पर हमला बोलते हुए कहा कि श्सीएम कब किसका पैर छू दें ये पता नहीं। अधिकारियों, इंजीनियरों का पैर छूने पड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री का चेहरा आगे कर के सब अपना रोटी सेंक रहा है।

हर महीने 1500 रुपए पेंशन दी जाएगी

तेजस्वी यादव ने कहा बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने पर 60 साल से अधिक आयु वालों को वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत हर महीने 1500 रुपए की पेंशन दी जाएगी। वहीं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत हर महीने 1500 रुपए पेंशन दी जाएगी। 200 यूनिट बिजली भी मुफ्त होगी। उन्होंने विशेष तौर पर कहा हमारी सरकार बनी तो श्माई बहन योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपए का मासिक सम्मान दिया जाएगा। इससे हर महिला आत्मनिर्भर, समृद्ध और सुखी बनेगी। नए बिहार के निर्माण की नींव महिलाओं की समृद्धि से रखी जाएगी। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बूथ को मजबूत करने पर चर्चा की। कहा कि सभी जाति सभी व्यक्ति को जोड़ना है व नया बिहार बनाना है। वे अपने कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है। आगामी विधान सभा चुनाव में जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से हिसाब लेगी।

एक नजर

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्स द्वारा राज हाईस्कूल में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

डुमरांव। स्थानीय राज हाईस्कूल के परिसर में मंगलवार को ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्स (बीआईएस) पटना शाखा कार्यालय के तत्वावधान में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह विद्यालय की बीआईएस मेंटर डॉ. कविता कुमारी की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनुराग मिश्र ने की। इस दौरान मेंटर ने बताया कि इसके माध्यम से भारतीय मानक ब्यूरो और उत्पादों के मानकों की जानकारी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदान की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अभिषेक पाण्डेय एवं आकाश ओझा, द्वितीय पुरस्कार अखिलेश कुमार व आदित्य कुमार, तृतीय रीमा कुमारी व शिक्षा कुमारी, चतुर्थ पुरस्कार अमित कुमार एवं प्रकाश कुमार को दिया गया। अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रथम द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ पुरस्कार पाने पाबे को क्रमशः 1000, 750, 500 एवं 250 रुपये प्रोत्साहन राशि दी गई। निर्णायक मंडल की भूमिका में ब्रजेश कुमार चौबे, अभिमन्यु प्रताप सिंह और तेजप्रताप कुमार थे। मौके पर रीना कुमारी, अभयानंद प्रजापति, कृष्ण बिहारी प्रसाद, संतोष उपाध्याय, उमेश ओझा, संजय रंजन सिन्हा, उपेन्द्र यादव, श्वेता कुमारी, सुमन कुमारी, कृष्ण कुमार ओझा, राजेश गुप्ता मौजूद रहे।

फुटबॉल टूनार्मेंट में धनसोई ने बकरा को हराया

नावानगर। स्थानीय गांव के प्लस टू हाई स्कूल खेल मैदान में बुधवार को आयोजित नावानगर खेल महोत्सव फुटबॉल टूनामेंट का सेमीफाइनल मैच खेला गया। जिसमें धनसोई बनाम बकरा के बीच रोमांचक खेल हुआ। जिसमें धनसोई की टीम ने 1-0 से इस फुटबॉल मैच को जीत लिया। मैच का आयोजन नवयुवक आजाद स्पोर्टिंग क्लब नावानगर के सौजन्य से किया गया था। खेल शुरू होने के 10वें मीनट पर धनसोई की टीम ने पहला गोल बढ़त बना लिया। बाद में बकरा टीम के खिलाड़ी बराबरी करने के लिए गेंद को गोल पोस्ट तक पहुंचाने की पूरी कोशिश की, पर धनसोई टीम के खिलाड़ी द्वारा रक्षात्मक खेल के आगे बकरा टीम की प्रयास असफल रहा। मैच का उद्घाटन बीडीसी प्रतिनिधि सुखारी पासवान,मंगल सिंह, केशलाल यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मैच में निर्णायक का कार्य मो. रौशन खान, आकर्ष कुमार, अविनाश कुमार ने किया। वही वीरेंद्र प्रसाद, सुदर्शन यादव, भूलू सिंह, मुनर सिंह, अविनाश शर्मा, विनय गुप्ता, बंटी सिंह, संदीप शर्मा, समेत अन्य की भूमिका सराहनीय रही।

अचानक चक्की पहुंचे डुमरांव एसडीएम, किया कार्यालयों का निरीक्षण

चक्की। बुधवार को प्रखंड के विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण एसडीएम राकेश कुमार ने किया। इस दौरान उन्होंने अंचल कार्यालय परिसर, बीडीओ कार्यालय परिसर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया। एसडीओ ने बताया कि निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मी समय पर कार्यालय आते हैं और अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन कर रहे हैं या नहीं। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने कर्मियों की उपस्थिति और कार्यालयों की व्यवस्था का गहन अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि सभी कर्मी अपने-अपने स्थानों पर उपस्थित थे और नियमित रूप से कार्य कर रहे थे। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारियों का पालन समय पर और सही तरीके से किया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने चिकित्सा सेवाओं की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध दवाओं, साफ-सफाई और मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया। केंद्र के प्रभारी ने उन्हें दवाओं और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। एसडीओ ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि मरीजों को हर संभव सहायता प्रदान करें और स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। बीडीओ कार्यालय के निरीक्षण में एसडीओ ने प्रशासनिक कार्यों की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने बीडीओ और अन्य कर्मियों से चर्चा कर चल रही योजनाओं और प्रखंड स्तर पर विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

खबरें फटाफट

मारपीट कर छीनी बाइक व मोबाइल

बक्सर। मुफस्सिल थाना के अखौरीपुर गोला स्थित महर्षि च्यवन कालेज के समीप दिन-दहाड़े कुंहासे की धुंध में पहले से घात लगाए बाइक से आ रहे एक युवक को पीछे से डंडे से वार कर उसकी बाइक व मोबाइल छीन ली। उस दौरान चोट लगे युवक बेहोश हो गया। जिसके बाद युवक फरार हो गए। उधर, आते-जाते राहगीरों ने युवक को अचेतावस्था में देखा तो घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया। देर-दोपहर ठीक होने के बाद युवक अपने परिजनों के साथ मुफस्सिल थाने पहुंचकर अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जहा पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार अखौरीपुर गोला निवासी रामाशंकर गुप्ता का पुत्र अमित कुमार गुप्ता जो अखौरीपुर गोला पर मिठाई की दुकान चलाता है। उसने बताया की वह अपने घर महर्षि कालेज के पास से बाइक से दुकान आ रहा था, सुबह घना कुंहासा था। तभी बीच रास्ते मे पहले से घात लगाए कुछ लोगों ने पीछे से डंडे से पिटाई कर दी। अचानक से हुए हमले को देख नही पाया तथा चोट लगने से वह बेहोश हो गया। इसके बाद उसका मोबाइल व बाइक ले वे लोग फरार हो गए।

14 को मनाया जाएगा मकर संक्राति

बक्सर। 14 जनवरी को श्रद्धा और उल्लास के साथ मकर संक्राति मनाया जाएगा। यह पर्व सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने और उत्तरायण की शुरूआत का प्रतीक है। इसे फसल कटाई का उत्सव भी माना जाता है, जो समृद्धि, नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संदेश देता है। इस वर्ष कला संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जिला प्रशासन बक्सर के द्वारा बक्सर जिला में मकर संक्रांति महोत्सव का आयोजन 14 जनवरी को सिपाही घाट में किया जाएगा।

बुधवार को खेला गया डुमरांव चैलेंजर ट्राफी का पहला सेमीफाइनल मुकाबला

डुमरांव चैलेंजर ट्राफी: गाजीपुर को तीन विकेट से हरा फाइनल में पहुंचा आरा

राज हाई स्कूल में बल्लेबाजी करते गाजीपुर बल्लेबाज व गेंदबाजी करते आरा की खिलाड़ी।

♦ बतौर मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी अमित कुमार ने किया मैच का उद्घाटन

खेल के विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित

बुधवार के सेमीफाइनल मैच का उद्घाटन करने के बाद जिला खेल पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि राज्य सरकार क्रिकेट, फुटबॉल, बॉलीबाल, कबड्डी, कुश्ती, एथलेटिक्स समेत सभी तरह के खेलों को बढ़ावा दे रही है। सभी पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावे खेल संसाधन भी सरकार द्वारा मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज हाई स्कूल का खेल मैदान काफी बड़ा है। इस मैदान को और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने इस आयोजन के लिए आयोजक संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के सह निदेशक शुभम सिंह को धन्यवाद दिया और कहा कि खेलकूद युवाओं को तंदरूस्त व स्फूर्त रखने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि खेल से आपसी भाईचारा भी मजबूत होती है।

केटी न्यूज/डुमरांव

संत जॉन सेकेन्ड्री स्कूल के तत्वावधान में स्थानीय राज हाई स्कूल के खेल मैदान में चल रहे डुमरांव चैलेंजर ट्रॉफी 2025 टेनिस बॉल इनामी क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मैच बुधवार को गाजीपुर व आरा की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें आरा की टीम ने गाजीपुर को तीन विकेट से पराजित कर फाईनल में प्रवेश किया। आरा की तरफ से बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले सत्येन्द्र को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

गाजीपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। गाजीपुर की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवरों के खेल में अपने 9 विकेट गवांकर 144 रन का मामूली स्कोर बनाया। गाजीपुर की तरफ से रवि ने अधिकतम 39 रन की पारी खेली। आरा की तरफ से गेंदबाजी करते हुए सत्येंद्र और गौरव ने 3-3 विकेट चटकाए। 145 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरा की टीम ने 14.4 ओवर में ही सात विकेट खो लक्ष्य हासिल कर लिया। आरा की तरफ से रोहित ने एक चौका व तीन छक्के के सहारे सर्वाधिक 24 रन की पारी खेली। इसके अलावे सभी बल्लेबाजों ने उपयोगी पारिया खेल अपने टीम के जीत में योगदान दिया। लक्ष्य छोटा होने के बावजूद बीच में आरा की टीम लड़खड़ा गई थी। गाजीपुर की टीम अच्छी गेंदबाजी कर मैच में बनी हुई थी, लेकिन लक्ष्य छोटा होने के चलते आरा की टीम को जीत दर्ज करने से रोक नहीं सकी। गाजीपुर की तरफ से सुमित और अनिल ने 3-3 विकेट हासिल किये। इस प्रकार आरा की टीम ने पहले मुकाबले को 3 विकेट से जीत फाईनल का टिकट कटाया।

आरा के सत्येंद्र को मिला मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार : बुधवार को हुए मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सत्येन्द्र को अंग्रेजी शिक्षक अजितेश कुमार और और मिस्टर मनोज और पीयूष उपाध्याय के द्वारा दिया गया। इस सेमीफाइनल मैच का उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी अमित कुमार ने किया। मौके पर डुमरांव नगर परिषद के वार्ड 18 की वार्ड पार्षद अनु देवी मौजूद रही। मैच में कॉमेंटेटर के रूप में मनोज कुमार और अजितेश कुमार उपस्थित रहे।

वहीं, स्कोरर के रूप में चेतन और अंपायर की भूमिका में रौनक सिंह और अभिषेक औझा ने बखूबी अपनी जिम्मेदारियां निभाई। मैच के दौरान मैदान दर्शकों से खचाखच भर गया था तथा हर चौके-छक्के पर दर्शक तालियां बजा बल्लेबाजों की हौसला अफजाई कर रहे थे। इसके अलावे अच्छे कैच व अच्छी गेंदों पर भी दर्शकों की तालियां मैदान में शोर मचा रही थी। पूरे मैच के दौरान दर्शक टस से मस नहीं हुए।

मैच की कुछ झलकियां...

मैच का उद्घाटन करते जिला खेल पदाधिकारी व वार्ड पार्षद।

उद्घाटन के बाद बल्लेबाजी करते जिला खेल पदाधिकारी।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते जिला खेल पदाधिकारी।

वार्ड नंबर 18 की पार्षद अनु को सम्मानित करते आयोजन समिति के सदस्य।

एक नजर

प्रशांत किशोर और बीपीएससी अभ्यर्थियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई निंदनीय

आरा। जन सुराज पार्टी के नेता चंद्रभानु गुप्ता आरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी के नेता प्रशांत किशोर के खिलाफ हुई कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। चंद्रभानु ने बताया कि प्रशांत किशोर बीपीएससी छात्रों के समर्थन में उनकी मांगों को लेकर गांधी मैदान में शांतिपूर्ण तरीके से दो जनवरी से अनशन पर बैठे थे। छह जनवरी की सुबह करीब चार बजे पुलिस ने अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर, बीपीएससी छात्रों और अन्य समर्थकों को बलपूर्वक अनशन स्थल से हटाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करना देश के हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। गांधी मूर्ति के नीचे अगर बैठ कर कोई सत्याग्रह कर रहा है तो इसमें क्या गुनाह है? सरकार को इस बात का जवाब देना चाहिए। चंद्रभानु ने आगे बताया कि जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर दो जनवरी से लगातार आमरण अनशन पर हैं। बिहार में बीपीएससी परीक्षा में हुई धांधली और अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के आंदोलन को समर्थन देते हुए प्रशांत किशोर सबसे पहले 29 दिसंबर को पटना के गांधी मैदान में छात्र संसद में शामिल हुए थे। छात्र संसद में ये निर्णय हुआ कि मार्च निकाला जाए। पुलिस ने छात्रों के मार्च को जेपी गोलंबर पर रोक दिया था। प्रशांत किशोर जी छात्रों के प्रतिनिधिमंडल और हजारों छात्रों के साथ इस मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। अधिकारियों ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को बिहार के मुख्य सचिव से मिलवाने का वादा किया और सभी छात्रों से मार्च को खत्म करने की अपील की। पीके ने भी ये बात मीडिया और छात्रों के साथ साझा की।

एक लाख रुपये का इनामी बेलाल मियां गिरफ्तार पुलिस ने पटना में 10 दिनों से किया था कैंप

आरा। भोजपुर एसपी राज के निर्देशन में पुलिस ने बीती रात जिले के कुख्यात और एक लाख रुपये के इनामी अपराधी बेलाल मियां को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पटना जिले के करबिगहिया थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस फिलहाल बेलाल से पूछताछ कर रही है। जिसके बाद कागजी कार्रवाई करते हुए उसे कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में भोजपुर एसपी ने पुलिस कई दिनों से उसके पीछे लगी हुई थी। पिछले 10 दिनों से पटना में कैंप किया गया था। जैसे ही पुलिस को उसका लोकेशन मिला, उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जाता है कि 21 दिसंबर 2024 को भोजपुर एसपी ने बेलाल मियां समेत दक दर्जन अपराधियों पर इनाम की घोषणा की थी। जिसमें कुख्यात बेलाल मियां और बालू माफिया गुड्डू राय सहित दस अपराध कर्मियों के खिलाफ इनाम घोषित किया गया है। तीन पर एक-एक लाख, तीन के खिलाफ 50-50, जबकि चार पर 25-25 का हजार का इनाम रखा गया है। भोजपुर एसपी राज की अनुशंसा पर डीआईजी और मुख्यालय की ओर से इनाम की घोषणा की गयी थी। बेलाल मियां नगर थाना क्षेत्र के अबरपुल का रहने वाला है। जिसपर लूट, हत्या, रंगदारी समेत कई 15 मामलों में आरोपित था। वहीं, दो मामलों में वो फरार चल रहा था।

रेल यात्री कल्याण समिति की बैठक में आगामी वर्षों के लिए तैयार की गई योजना

केटी न्यूज/डुमरांव

रेलयात्री कल्याण समिति सेंट्रल कमिटी की बैठक बुधवार को स्थानीय शहर के टेक्सटाइल कॉलोनी स्थित एक सभागार में हुआ। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार सिंह ने किया तथा संचालन शाखा अध्यक्ष मुन्ना यादव ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सेंट्रल कमिटी के वरिष्ठ सदस्य डॉ एसके सैनी और पूर्व सैनिक संघ के अनुमंडल अध्यक्ष राष्ट्रपति मेडल से सम्मानित सुबेदार मेजर हरिशंकर सिंह थे।

बैठक में विगत वर्षों के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आगामी वर्ष के लिए वृहद कार्ययोजना तैयार की गयी। साथ ही 14 जनवरी को रेलयात्री कल्याण समिति की वार्षिक समीक्षात्मक बैठक की तैयारी के संबंध में विस्तार से चर्चा की गयी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जनवरी को रेलयात्री कल्याण समिति ने टुड़ीगंज स्टेशन के समीप वार्षिक समिक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें समिति के सभी शाखाओं के पदाधिकारी और सदस्य शामिल होंगे। विगत वर्षों के कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी के पदों का नवीनीकरण या पदोन्नति किया जाएगा। वहीं डॉ एसके सैनी ने कहा कि रेलयात्री कल्याण समिति का सपना बहुत बड़ा है, जिसको साकार कर हमलोग दिखाएंगे। मौके पर हरे राम ठाकुर, रामबाबू कुशवाहा, रासबिहारी सिंह, संजीत कुंवर, शिवजी तिवारी, रामजी प्रसाद, पंकज गोस्वामी, दिलीप केशरी, पिंटू गौतम, सुदर्शन राम, विरेन्द्र कुंवर, परशुराम प्रसाद व अन्य मौजूद थे।

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में उमंग 2025 का उद्घाटन

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बक्सर में बुधवार को खेलकूद प्रतियोगिता उमंग 2025 कार्यक्रम का द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। उमंग 2025 कार्यक्रम का आयोजन आठ से 11 जनवरी तक किया जाएगा। जिसमें पटना प्रमंडल के सभी छह इंजीनियरिंग कॉलेज जीईसी बक्सर, बख्तियारपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एनसीई चण्डी, जीईसी भोजपुर, जीईसी कैमूर एवं एससीई सासाराम के छात्र एवं शिक्षक भाग ले रहे हैं। इसमें विभिन्न खेलों को शामिल किया गया। जैसे: क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, कैरम, चेस, 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, शॉटपुट, जैवलिन, डिस्कस थ्रो आदि। यह महोत्सव प्रतिभा, खेल भावना और सांस्कृतिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है।

वर्षों से बदहाल थी पुराना भोजपुर से सिमरी रोड को जोड़ने वाली सड़क

पुराना भोजपुर-सिमरी रोड को जोड़ने वाली सड़क का शुरू हुआ निर्माण, लोगों में खुशी

केटी न्यूज/डुमरांव

वर्षों से उपेक्षित पुराना भोजपुर से सिमरी रोड को जोड़ने वाली सड़क वर्षों से बदहाल थी। इसे बनाने की कई बार मांग उठी, लेकिन इस पर अधिकारियों को ध्यान कभी नहीं गया। पुरानाभोजपुर और और नयाभोजपुर जब नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल हुआ तब इसका भाग्य जगा और इसके बनाने की कवायद शुरू की गई। उसी में एक सड़क है नगर के पुराना भोजपुर क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 और 2 के बोर्डर पर जो पुरानाभोजपुर से सिमरी रोड जाने का मुख्य मार्ग है। इस जर्जर सड़क को बनाने का काम शिलान्यास के साथ ही प्रारंभ कर दिया गया। इसके प्रारंभ होते ही ग्रामीणों से लेकर जन प्रतिनिधियों में खुशी का माहौल है।

शिलान्यास चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि विस्तारित क्षेत्रों का विकास उनकी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही नगर परिषद की गिनती बिहार के नंबर एक नगर परिषद क्षेत्र में होगी।

मालूम हो कि नप के विस्तारित क्षेत्र पुरानाभोजपुर के वार्ड एक और दो से निकलकर सिमरी रोड में मिलने वाली सड़क काफी जर्जर हो चुकी है। इस पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था। इस रोड को बनाने के लिये वर्षों से मांग हो रही थी, लेकिन नहीं नप इस पर ध्यान दे रहा था औन नहीं जन प्रतिनिधि ही। इस तरह से लोगों की परेशानी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। मालूम हो कि सिमरी क्षेत्र के व्यापारी इस रोड का माल ढोने का काफी उपयोग करते हैं। कभी-कभी वाहन पलटने का भी समाचार अक्सर मिलते रहते हैं। इसका शिलान्यास होने लोगों में काफी खुशी है। इस मौके पर उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह, वार्ड दो के पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार, वार्ड 13 के पार्षद राजेश सिंह, 12 के पवन कुमार, 14 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमित चौरसिया, वार्ड 29 के पार्षद सह सशक्त स्थायी समिति के सदस्य विजय कुमार, वार्ड 34 के पार्षद सह सशक्त स्थायी समिति के सदस्य धनजी सहित गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रदेश में अगले 48 घंटे में बढ़ेंगी और मुश्किलें, आईएमडब्ल्यू के अनुमान ने बढ़ाई टेंशन

हजारीबाग/रांची, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के कारण मंगलवार को एक बार फिर झारखंड में अचानक मौसम ने करवट बदला। सुबह सवेरे आसमान में बादल की चादर तन गई। सुबह से अचानक रांची, हजारीबाग समेत कई जिले घने कोहरे की चपेट में आ गए। इस कारण न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। वहीं, हजारीबाग जिले में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री तक जा पहुंचा।

वहीं, अगले 48 घंटों में लोगों की परेशानी बढ़ने वाली है। लोगों को सावधान रहने के लिए कहा गया है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को खासकर अलर्ट रहने की जरूरत है। बाहर निकलने पर गर्म कपड़े जरूर पहनें नहीं तो ठंड अटैक कर सकती है।

हालांकि, मौसम विभाग द्वारा मौसम में अचानक आने वाले बदलाव का पूर्वानुमान बता चुका था। जानकारी के अनुसार अगले दो तीन दिनों तक कोहरे का जबरदस्त प्रभाव रहेगा।

इधर तापमान में गिरावट से कनकनी काफी बढ़ गई और लोग कंपकंपाने लगे। सुबह सवेरे झील परिसर सहित अन्य स्थानों में चहलकदमी करने वाले लोगों की संख्या काफी घट गई।

इक्का-दुक्का लोग ही वहां दिखाई पड़ रहे थे। कुहासे के कारण पास की वस्तुएं भी दिखाई नहीं दे रही थी। अचानक मौसम में आए बदलाव का प्रभाव बाजार पर भी पडा। दिन चढ़ने तक बाजार में काफी दुकानें बंद देखी गई। जो दुकान खुली भी वहां भी दुकानदार ग्राहकों के

इंतजार में बैठे दिखाई दिए। अचानक बढ़ी कनकनी के कारण लोग अपने आप को गर्म कपड़ों से ढंकने लगे है।

चौक चौराहों में ठंड से बचने के लिए कुछ अपने स्तर से अलाव तापते भी दिखे। वहीं बाजार में गर्म कपड़ों के साथ ठंड से बचाव के उपकरणों की बिक्री भी तेज हो गई है। लोग स्वेटर, जैकेट, टोपी, मफलर, इनर आदि की खरीददारी करते दिख रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अस्पतालों में इन दिनों ठंड के मरीज बढ़ गए हैं।

इधर कुहासे के कारण विजिबिलिटी काफी घर गई। हालत यह हो गई कि चंद मीटर की दूरी की चीजें भी लोगों को साफ दिखाई नहीं पड़ने लगीं। विजिबलिटी काफी कम होने के कारण सबसे अधिक परेशानी वाहन चालकों को हुई। हाइवे पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई।

कहीं कहीं तो दिन के समय भी वाहन चालकों को अपनी लाइटें जलानी पड़ी। मौसम विभाग के अनुसार अचानक हुए मौसम में बदलाव के कारण यहां हल्की बूंदा-बांदी भी हो सकती है। इससे एक ओर तापमान कम होने से ठंड और बढ़ेगी तथा दूसरी ओर हलके से घने कोहरे का भी प्रकोप बढ़ सकता है। राज्य में ठंड के असर से दिन और रात के तापमान में आए अंतर के कारण अब लोगों को सुबह और शाम ही नहीं बल्कि दिन के समय भी ठंड का अनुभव हो रहा है। अब दिन की शुरूआत कुहासे और धुंध के साथ होती तो शाम होते ही एक बार फिर से कुहासा घेर लेता है। साथ ही रात के समय शीत भी गिर रहा है।

पुलिस थानों के लिए वाहनों की खरीदारी का प्रस्ताव लंबे समय से लंबित

रांची, एजेंसी। कानून व्यवस्था को दुरूस्त रखना पुलिस की जिम्मेवारी होती है। कहीं कोई घटना हो जाये तो पुलिस पर घटनास्थल पर जल्द से जल्द पहुंचने का दवाब भी होता है। यही वजह है कि राज्य सरकार पुलिस थानों को आधुनिक बनाने के प्रयास में लगी है। लेकिन जानकर हैरानी होगी कि झारखंड पुलिस थानों के लिए कुल 1255 छोटे चारपहिया और 1697 दो पहिया वाहनों की खरीदारी का प्रस्ताव लंबे समय से लंबित है।

गौरतलब है कि एसआरई (सिक्योरिटी रिलेटेट एक्सपेंडिचर) के तहत पहले 16 जिलों के वाहनों का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन पिछले साल अप्रैल में 16 जिलों में से 11 जिलों को हटा दिया गया। जिसकी वजह से छोटे चार पहिया वाहनों की अचानक कमी हो गयी है। जिनका उपयोग पहले एसआरई के तहत किराये के आधार पर किया जाता था।

1734 चार पहिया वाहन में से 418 खराब : झारखंड के सभी जिले की पुलिस के पास वर्तमान में कुल 1734 चार पहिया वाहन हैं, जिनमें से 418 खराब पड़े हैं। वहीं 1,316 वाहन ठीक है। इन 1316 वाहन में से 1196 वाहन 15 साल पुराने हो चुके हैं। झारखंड पुलिस के पास सिर्फ 120 नये वाहन हैं, जिसकी स्थिति ठीक है। बाइक की बात करें तो झारखंड पुलिस में वर्तमान में 1397 बाइक हैं, जिनमें 180 खराब पड़े हैं।

पुलिसकर्मी 15 साल पुराने वाहनों से संभाल रहे विधि व्यवस्था की जिम्मेदारी : पुलिसकर्मी 15 साल पुराने 1196 वाहनों से विधि व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। झारखंड पुलिस मुख्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में झारखंड पुलिस द्वारा उपयोग किये जाने वाले 1196 छोटे चार पहिया वाहन 15 साल से ज्यादा पुराने हो चुके हैं। लेकिन अब तक नये वाहन नहीं आये हैं। ऐसे में जब तक नये वाहन नहीं आ जाते हैं। तब तक पुलिसकर्मी मरम्मत कर विधि इसका उपयोग व्यवस्था संभालने में कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जीओ टावरों के बैटरी चोरी मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार, गए जेल

बोकारो, एजेंसी। बोकारो जिले के बालीडीह में मोबाइल कंपनी जीओ के चार टावरों से बैटरी की चोरी हो गई थी। बालीडीह थाना पुलिस ने घटना में लिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। इस संबंध में जीओ कंपनी के सुपरवाइजर उपेन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने बालीडीह थाने में सोमवार को मामला दर्ज कराया था। इसमें कहा था कि चोरों ने 5 जनवरी को बोकारो रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित जीओ कंपनी के चार टावरों में लगे जेनरेटर की चार बैटरी की चोरी कर ली। इसके बाद से सभी टावर डाउन हो गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बोकारो एसपी ने डीएसपी मुख्यालय के नेतृत्व में टीम गठित कर चोरों की गिरफ्तारी का निर्देश दिया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घाटना में लिप्त दो आरोपियों को चोरी गई चारों बैटरी के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में संचित कुमार व सुमित कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से चोरी गई चारों बैटरी, दो स्मार्टफोन व रिंच बरामद किया है। पुलिस की टीम में बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह, एसआई विरमनी कुमार, अभिषेक कुमार, शशिकान्त ठाकुर, जीतेन्द्र कुमार यादव, संदीप कुमार, अजय कुमार राय व अन्य जवान शामिल थे।

भाजपा ने चलाया गोविंदपुर में सदस्यता अभियान, 100 नए सदस्य बनाए

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के गोविंदपुर में भाजपा ने मंगलवार को सदस्यता अभियान चलाया। प्रदेश मंत्री गणेश मिश्रा, मंडल प्रभारी रतिरंजन गिरि व मंडल अध्यक्ष तालेश्वर साव के नेतृत्व में गोविंदपुर वाणी मंदिर के समीप कैंप लगा कर सदस्य बनाए गए। करीब 100 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कैंप में बलराम साव, भाजयुमो के धनबाद जिलाध्यक्ष मनीष साव, जग्गू साव, कीरिटी भूषण रुज, राजकिशोर महतो, बैजनाथ गोस्वामी, सुधीर पांडेय आदि मौजूद रहे। वहीं, दूसरी ओर देवली में भाजपा के शक्ति केंद्रों के सदस्यों की बैठक कर सदस्यता अभियान को ओर गति देने का निर्णय लिया गया। तय किया गया कि सभी बूथों पर कम से कम 100 प्राथमिक सदस्य व दो सक्रिय सदस्य अनिवार्य रूप से बनाए जाएंगे। इसके लिए देवली में मुर्गाबनी, देवली आदि शक्ति केंद्र के सक्रिय सदस्यों को चिह्नित किया गया। बाद में परासी शक्ति केंद्र के दुमदुमी गांव में पार्टी के सदस्य बनाये गये। बैठक में मंडल उपाध्यक्ष अशोक गिरि, अवधेश कुमार, नवल सिंह चौधरी, सुरेश रविदास, पप्पू मंडल, विश्वनाथ गोस्वमी, कृष्णा मोदी, खगेन सिंह चौधरी, निर्मल कुम्भकार, कांतिपदो कुम्भकार, मनोज कुमार गोराई, प्रभाष कुम्भकार, गुलाब सिंह आदि मौजूद थे।

वन अधिकार मंच ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

लातेहार, एजेंसी। वन अधिकार मंच ने डीसी लातेहार को एक ज्ञापन सौंपा है। जानकारी के अनुसार जेम्स हेरेंज के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण समाहरणालय पहुंचे और डीसी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि मनिका वन क्षेत्र के गेरुआ और लंका टोला में वन अधिकार कानून का हनन हो रहा है। दोनों गांव के सीमा के अंदर वन क्षेत्र में बिना ग्रामसभा की अनुमति के ही वन विभाग द्वारा वनरोपण का कार्य किया जा रहा है। यहां तक कि जेसीबी मशीन द्वारा ट्रेंच काटे जा रहे हैं। जब ग्रामीण शांतिपूर्ण तरीके से उसका विरोध करते हैं, तो ग्रामीणों को धमकाया जाता है और नक्सलियों से फोन कराकर ग्रामीणों को डराया जाता है। दोनों गांव के लोगों ने व्यक्तिगत सामुदायिक वन अधिकारों के लिए दावा किया है।

नल जल योजना का पंप व पाइप उखाड़ ले गये चोर

धनबाद। हरिहरपुर थाना क्षेत्र के तुरसाबाद स्थित हरि मंदिर के पास हर घर जल नल योजना के तहत जलमीनार लगी थी। बीती रात चोर जलमीनार का मोटरपंप और पाइप उखाड़कर ले गये। इसकी वजह से ग्रामीणों को पानी की दिक्कत हो गयी है। जलमीनार से लोगों का रोजमर्रा का काम आसानी से हो जा रहा था। लेकिन जब तक जलमीनार में पंप और पाइप नहीं लगता है, तब तक वहां के लोगों को पानी मिलना मुश्किल है इधर मुखिया प्रतिनिधि अमृत रजक ने एजेंसी को चोरी की सूचना दी है। लेकिन एजेंसी का कहना है कि पीएचईडी को हेंड ओवर कर दिया गया है। ऐसे में मेंटेनेंस की जिम्मेवारी कंपनी की है। ग्रामीणों ने बताया कि पंप को ढ़लाई कर बंद कर दिया था।

युवक से छिनतई मामले में जिप सदस्य शब्बीर अंसारी को हिसरात में लिया

गिरिडीह, एजेंसी।

देवघर जिले के मधुपुर में एक युवक से छिनतई मामले में पुलिस ने गिरिडीह जिले के गांडेय के जिला परिषद सदस्य शब्बीर अंसारी को हिसरात में लिया है। गांडेय पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। छिनतई की घटना रविवार को मुधपुर थाना क्षेत्र के पटवाबाद में हुई थी।

भुक्तभोगी युवक की लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर मधुपुर पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, गांडेय थाना क्षेत्र के फुलजोरी गांव निवासी मो सद्दाम अंसारी रविवार को कुछ समान खरीदने मधुपुर गया था। रास्ते में मधुपुर के समीप बाइक व ट्रक की टक्कर में एक महिला की मौत हो गई थी। घटनास्थल से गुजर रहे सद्दाम को ट्रक का चालक समझकर तीन युवकों ने सद्दाम का पीछा किया और रोककर उससे पूछताछ की।

इसी दौरान उनमें से एक युवक ने गांडेय के जिप सदस्य मो। शब्बीर को फोन कर घटना की जानकारी दी। तब शब्बीर ने सद्दाम को तीनों युवकों को कुछ पैसे देकर घर आ जाने की बात कही। इसी क्रम में सद्दाम ने अपने घर पर फोन कर बताया कि मधुपुर पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। यह सुन परिजन मधुपुर थाना पहुंचे, लेकिन वहां सद्दाम नहीं मिला। इसके बाद मधुपुर पुलिस और गांडेय पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर मोबाइल लोकेशन के आधार पर सद्दाम को मधुपुर थाना क्षेत्र के फुलची गांव के श्मशान घाट से बरामद किया। पुलिस को देखकर तीनों युवक भाग निकले। सद्दाम ने गांडेय पुलिस को बताया कि जिप सदस्य शब्बीर ने उससे फोन पर उक्त तीनों युवकों को पैसे देने क बात कही थी। इसके बाद गांडेय पुलिस सोमवार को शब्बीर को पकड़कर थाना ले गई है।

खादी आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है: राज्यपाल

रांची, एजेंसी। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को कहा कि खादी महोत्सव न केवल हमारी संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण विकास और स्वरोजगार के लिए एक सशक्त मंच भी है। उन्होंने खादी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों का प्रतीक बताते हुए कहा कि खादी आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रही है और आज भी हमारे कारीगरों को रोजगार देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता को सशक्त बना रही है।

राज्यपाल मंगलवार को झारखंड राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में आयोजित ÷राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25÷ के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान ÷खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन÷ का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खादी को

वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से खादी को जन आंदोलन बनाने की उनकी पहल से ग्रामीण कारीगरों और श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

राज्यपाल ने कहा कि प्रसन्नता है कि इस महोत्सव के माध्यम से महिला उद्यमियों के जरिये तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर हो सकती हैं, बल्कि देश की आर्थिक समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं। उन्होंने इस महोत्सव में भाग लेने वाले बुनकरों, हस्तशिल्पियों और कारीगरों को बधाई दी। साथ ही कहा कि इन कारीगरों के श्रम और कौशल ने झारखंड के ग्रामीण उद्यमों की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया है।

राज्यपाल ने आम जनमानस से खादी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को अपनाकर हम न केवल हमारे ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बना सकते हैं, बल्कि उनकी आर्थिक समृद्धि की दिशा में भी योगदान कर सकते हैं। साथ ही राज्यपाल ने झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार और सभी स्टॉलधारकों एवं कारीगरों को इस आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी।

मंत्री, सांसद और विधायक ने भी रखे विचार

श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने राज्य के हर जिले में खादी मेला लगाने की बात कही। कहा कि गोड्डा में सिल्क का उत्पादन काफी मात्रा में होता है, वहीं पर फैक्ट्री लगाने से लोगों को रोजगार मिलेगा। रांची के विधायक सीपी सिंह ने कहा कि झारखंड में खादी का अपना ब्रांड होना चाहिए। साथ ही गणतंत्र दिवस पर सभी लोगों से जेएसएलपीएस द्वारा निर्मित राष्ट्रध्वज खरीदने को कहा। राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि खादी बोर्ड ने महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम किया है। हमारे यहां बने सामान की मांग दूसरे जगहों पर बहुत ज्यादा है। आज खादी युवाओं में काफी प्रचलित है। महिलाएं भी खादी की साड़ी खूब पहन रही हैं।

ये भी रहे मौजूद : समापन समारोह में उद्योग विभाग सचिव जितेंद्र सिंह, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, सुशांत गौरव, कल्पना, आकांक्षा रंजन, सुमन पाठक के अलावा कई मौजूद थे।

रांची-टाटा एनएच-33 पर बाघ देखे जाने की खबर से चांडिल और चौका में दहशत

चांडिल, एजेंसी। सरायकेला खरसावां जिले में बाघ देखे जाने की खबरों के बीच ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वाइल्डलाइफ इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआइआइ) की टीम पहुंच चुकी है। वन विभाग के कर्मचारियों की मदद से बाघ का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। खबर है कि चांडिल के चैनपुर और खूंटी मोडड़ के पास बाघ को देखा गया। 8 दिन बाद फिर से बाघ को देखे जाने की खबर से आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

चैनपुर गांव के राज कुमार महतो और खूंटी गांव के अपूर्व सिंह ने बाघ को देखने का दावा किया है। राज कुमार महतो ने कहा है कि वह परिवार के साथ चौका के चौलीबासा जंगल के रास्ते कार से लौट रहे थे। तभी कार के आगे से कूदकर बाघ सड़क पार कर गया। दूसरी ओर, चौका के खूंटी गांव निवासी अपूर्व सिंह ने बताया कि वे लोग जमशेदपुर से कार से अपने घर

लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-33 पर खूंटी मोड़ के समीप सड़क पर एक बाघ को देखा। बाघ को देखते ही उन्होंने अपने कार की स्पीड बढ़ाई और घर पहुंचे।

चांडिल गोलचक्कर के पास चैनपुर गांव में मंगलवार की रात को बाघ को देखा गया। चैनपुर गांव के राज कुमार महतो ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। इसके बाद ग्रामीण रात को घर से निकलने में डर रहे हैं। खबर मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी बाघ के बारे में पता लगाने में जुट गई।सोशल मीडिया पर चैनपुर कनाल के पास पुलिया के सामने एक कार पर बाघ के हमला करने का मैसेज वायरल हो रहा है। चैनपुर में बाघ देखने के करीब डेढ़ घंटे बाद चौका के खूंटी मोड़ के पास भी बाघ को देखे जाने की बात कही जा रही है। हालांकि, इस संबंध में वन विभाग पक्के तौर पर कुछ नहीं कह पा रहा है। वन विभाग की टीम चैनपुर के लिए रात को ही निकल गई है।

ज्ञात हो कि 31 दिसंबर को चौका के तुलग्राम जंगल में मवेशी चरा रहे ग्रामीणों ने बाघ को गाय का शिकार करते देखा था। उसके बाद वन विभाग ने तुलग्राम-बालीडीह जंगल में ट्रैकिंग कैमरा लगाकर बाघ की तलाश शुरू की थी। बाघ कैमरे में कैद नहीं हुआ।

अब 8 दिन बाद बाघ को देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।सरायकेला खरसावां जिले में चौका और कांड्रा के बीच तुलग्राम और बालीडीह एरिया में बाघ के होने की सूचना मिलते ही वाइल्डलाइफ इंस्टीच्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआइआइ) की टीम पहुंची। इन लोगों ने यहां आने के बाद वन विभाग के कर्मचारियों के साथ बाघ के बारे में पता लगाने की कोशिश की। डब्ल्यूआइआइ की टीम ने पग इंप्रेशन पैड (पीआइपी) का इस्तेमाल कर रही है। इसके तहत फुटप्रिंट को बनाने के लिए एरिया में फाइन बालू बिछा दिया जाता है, ताकि जानवर के मूवमेंट का पता लगाया जा सके।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी का कॉलर ठीक करते दिखा पूर्व क्रिकेटर

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कुछ दिनों पहले पूर्व क्रिकेटर सह कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन से दिल्ली में मुलाकात की थी। जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया था। इसमें वे पूर्व सांसद और क्रिकेटर से गर्मजोशी के साथ मुलाकात करते दिखाई पड़ रहे हैं। मुलाकात के दौरान अजहर ने मंत्री इरफान अंसारी के कॉलर ठीक किये। इसके बाद मंत्री ने सोशल मीडिया में पोस्ट कर उस पल को साझा किया। साथ ही यह भी बताया कि उन्होंने उसे क्या सलाह दी। उन्होंने कहा कि अजहर भाई ने हमेशा आगे रहने की सलाह दी है

डॉ इरफान अंसारी ने मोहम्मद अजहरुद्दीन से मुलाकात का वीडियो शेयर कर लिखा कि बड़े क्रिकेटर हो या बड़े नेता, ऐसे ही महान नहीं होते। इनका नेचर इनका सहभाव सब से बिल्कुल अलग होता है। आज अजहर भाई से मिलना और उनका आशीर्वाद लेना वास्तव में एक सम्मानजनक अनुभव था।

डॉ इरफान अंसारी अपने आगे की पोस्ट में लिखते हैं कि अच्छे लोगों की सोच वास्तव में अच्छी होती है। ऐसे लोगों से मिलने से हमें प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री ने आगे लिखा ÷महर्षि संतसेवी परमहंस जी ने भी कहा था कि हमारी मुक्ति का मार्ग हमारे अंदर है और समस्त धर्मावलंबियों के लिए वह मार्ग एक ही है÷।

ओटीसी ग्राउंड में नमो पतंग उत्सव 13 को

रांची, एजेंसी। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सानिध्य में आगामी 13 जनवरी को ओटीसी ग्राउंड रातू रोड के मैदान में नमो पतंग उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सांसद व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने पतंग उत्सव की शुरुआत झारखंड में 2006 में की थी। जो निरंतर उनके प्रयास से प्रत्येक वर्ष होता आ रहा है। आयोजन के संरक्षक रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हैं। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि हिंदू धर्म के संग हमारी भारतीय संस्कृति का निर्वाह करते हुए मकर संक्रांति व लोहड़ी के पावन मंगल शुभ अवसर पर नमो पतंग उत्सव का भव्य आयोजन 13 जनवरी को रातू रोड के ओटीसी ग्राउंड में दिन के 11:30 बजे से शुरू किया जा रहा है।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन : उन्होंने कहा कि भक्ति में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कार्यक्रम शुरू किया जायेगा। जिसके तहत पतंग वितरण और उत्सव का भव्य आयोजन रखा गया है। इस उपलक्ष पर समिति द्वारा जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया जायेगा साथ ही आयोजन

में शामिल सभी लोगों के लिए खिचड़ी के महाभोग की भी व्यवस्था रहेगी।

सफल आयोजन के लिये कमेटी का होगा गठन : इस उत्सव को झारखंड के नगरवासी बड़े ही उत्साह पूर्वक सपरिवार इस्ट मित्रो संग मनाते आ रहे हैं। समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष इसे बड़े उत्साह पूर्वक झारखंड समेत रांची नगर वासियों समेत विभिन्न स्थानों में मनाया जाता है। इस उत्सव में पूरे राज्य समेत राजधानी के लोग भी भाग लेंगे और पतंग महोत्सव का पूर्ण आनंद लेंगे। सफल बनाने के लिए कमेटी का गठन किया जायेगा। उत्सव को सफल बनाने में अजय मारू, पुनीत पोद्दार, कुणाल आजमानी, प्रमोद सारस्वत, राज वर्मा, रविंद्र मोदी, राम बांगड़, संजय सिंह, नीरज चौधरी, रमाशंकर बगड़िया, संतोष सेठ, अमित चौधरी, मनीष लोधा, संजय जायसवाल, ललित ओझा, सोनित अग्रवाल, सुबेश पांडेय, संजय पांडेय, आशीष अग्रवाल, संजय पोद्दार, कमलजीत सिंह शंटी, नीरज कुमार समेत बड़ी संख्या में समिति के सदस्य लगे हुए हैं।

झारखंड के रामगढ़ में दर्दनाक हादसा, आलू लदे ट्रक ने स्कूली ऑटो में मारी टक्कर

गोला (रामगढ़), एजेंसी। रामगढ़-बोकारो मार्ग (एनएच-23) पर गोला स्थित मठवाटांड़ के दामोदर होटल के समीप मंगलवार की सुबह भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। करीब 7:30 बजे आलू लदे एक अनियंत्रित एलपी ट्रक ने स्कूली बच्चों से भरे ऑटो वैन को को टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो ट्रक के ऊपर ही पलट गया, जिसमें ऑटो चालक और 3 बच्चों की मौत हो गई, वहीं एक दर्जन से ज्यादा बच्चे घायल हो गए।ट्रक की टक्कर से ऑटो वैन ड्राइवर और 3 बच्चों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में ट्रक चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।ऑटो में कुल 20 बच्चे सवार थे। सभी बच्चों की उम्र 10-12 साल के बीच है। आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए गोला सीएचसी में लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल सभी बच्चों को रिम्स रेफर किया गया है।

गिरिडीह में सरकारी स्कूल का रास्ता रोका तो खेत में ही लगा दी बच्चों की क्लास, डीसी ने लिया एक्शन

जमुआ (गिरिडीह), एजेंसी। उत्क्रमित उच्च विद्यालय शहरपुरा के रास्ते में मंगलवार को बांस-बल्ली से घेराबंदी कर दिये जाने से बच्चों को काफी फजीहत झेलनी पड़ी। ऐसे में खेत में ही तिरपाल बिछाकर बच्चों की कक्षा ली जाने लगी। डीसी के संज्ञान में आने के बाद उनके निर्देश पर बीडीओ ने पहल कर विद्यालय के रास्ते को अतिक्रमण मुक्त करवाया और मामला निष्पादित कर लेने की जानकारी दी।

विद्यालय का रास्ता रोके जाने से बच्चों को परेशानी होने पर प्राचार्य अमित कुमार त्रिपाठी ने मामले से बीडीओ एवं स्थानीय थाना को अवगत कराया। सोशल मीडिया पर यह खबर देखकर डीसी ने बीडीओ को मामले की जांच कर दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बीडीओ थाना प्रभारी के साथ विद्यालय पहुंचे और रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराया।

रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने के बाद बीडीओ ने रास्ता रोकनेवाले रोहन महतो से कारण पूछा। विद्यालय निर्माण के समय रास्ता क्यों दिया गया? बीडीओ एवं थाना प्रभारी के समझाने पर रोहन एवं उनके परिजनों ने रास्ते पर लगाया गया बांस-बल्ला हटा लिया और भविष्य में ऐसी हरकत नहीं करने का वादा किया। मौके पर बालेश्वर महतो, भीखन महतो, डीएन वर्मा आदि मौजूद थे।

विद्यालय के प्राचार्य अमित कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मंगलवार को जब विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्रा स्कूल इस रास्ते से आ रहे थे तो देखा कि रास्ते पर बांस के बल्ले से घेराबंदी की गयी है। उसकी सूचना नवडीहा ओपी प्रभारी और बीडीओ को दी गयी और डीएसई को मोबाइल पर मामले से अवगत कराया। बच्चों के आ जाने के बाद खेत में तिरपाल बिछाकर उन्हें पढ़ाया।

सुभाषितम्

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है।
- जॉन टिलोटसन

भारत में फास्ट फुड की बढ़ती खपत चिंता का विषय

भारत में फास्ट फूड का चलन लगातार बढ़ता चला जा रहा है। हाल ही में जो रिपोर्ट आई है। उसके अनुसार प्रति व्यक्ति फास्ट फूड का प्रति व्यक्ति खर्च भारत में बढ़ता ही चला जा रहा है। फास्ट फूड अब गांवों तक में लोकप्रिय हो गया है। गरीब और मजदूरों के बीच में भी फास्ट फूड की मांग तेजी के साथ बढ़ रही है। जिसके कारण बच्चों और सभी वर्गों की एक बड़ी आबादी में बीमारियां बढ़ रही हैं। ग्रामीण अंचलों में एक्सपायर फास्ट फूड के पैकेट बड़ी मात्रा में बेचे जा रहे हैं। जिसके कारण ग्रामीण अंचलों में बीमारियां बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही हैं। जिस तरह से फास्ट फूड का चलन शहरों से लेकर गांवों तक बढ़ता ही चला जा रहा है। यह भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। फास्ट फूड का चलन बढ़ने से जहां भारत में बीमारियां बड़ी तेजी के साथ सभी आयु के लोगों में बढ़ती जा रही हैं। वहीं पर्यावरण को भी बड़ा नुकसान हो रहा है। भारत में पारंपरिक तरीके से जो हेल्दी डाइट स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होती थी। अब वह उपलब्ध नहीं हो पा रही है। रोजगार को लेकर भी एक बड़ी समस्या खड़ी होने लगी है। ग्रामीण अंचलों के स्थानीय रोजगार फास्ट फूड के कारण बंद होते जा रहे हैं। जिसके कारण स्थानीय स्तर पर बेरोजगारी भी बढ़ रही है। ग्रामीण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान हो रहा है। भारत सरकार को फास्ट फूड की बिक्री से बड़े पैमाने पर जीएसटी से राजस्व मिलता है। तमाम बुराइयों के बाद भी सरकारें फास्ट फूड को लेकर लगातार अनदेखी बरत रही हैं। पिछले दिनों जीएसटी को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार के वित्त मंत्रियों की बैठक हुई थी। इसमें 28 से 35 फीसदी जीएसटी करने का सुझाव आया। सरकारें जीएसटी के जरिए राजस्व को बढ़ाने के लिए हर उस बुराई को बढ़ाने का काम कर रही है। जिसे सरकार को रोकना चाहिए था। फास्ट फूड के कारण भारत में प्लास्टिक कचरे का ढेर बढ़ता ही चला जा रहा है। जो पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहा है। सारे फास्ट फूड प्लास्टिक मे पैक होकर बाजार में बिक रहे हैं। प्लास्टिक को सड़ने में और खत्म होने में कई दशक लग जाते हैं। प्लास्टिक के कारण खेती से लेकर अन्य सभी चीजों में भारी नुकसान हो रहा है। जिसके कारण भारत के जलवायु पर भी इसका विपरीत असर पड़ रहा है। फास्ट फूड के अधिक सेवन करने से लोगों के स्वास्थ्य में विपरीत असर पड़ रहा है। चीनी नमक और रसायन के कारण एक बड़ी आबादी डायबिटीज, बीपी और मानसिक बीमारियों का शिकार होती जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ता ही चला जा रहा है। आम आदमी का बजट स्वास्थ्य सेवाओं के कारण गड़बड़ा गया है। मध्यम वर्ग भी आर्थिक कारणों से बड़ी तेजी के साथ निम्न वर्ग की ओर बढ़ रहा है। फास्ट फूड भारत में सोशल स्टेटस और अमीरी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। जिसके कारण यह प्रवृत्ति बढ़ती ही चली जा रही है। दुनिया के देशों में फास्ट फूड की बिक्री को रोकने के लिए तरह-तरह के प्रयास किये जा रहे हैं। डेनमार्क ने फैट टैक्स लागू किया हुआ है। न्यूजीलेंड में बच्चों को फास्ट फूड खाने से रोका जाता है। स्कूलों में विशेष पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। फास्ट फुड के विज्ञापनों पर रोक लगाई जा रही है। फास्ट फूड को लेकर तरह-तरह के कानून बनाए जा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इंडोनेशिया जैसे देशों में जागरूकता के विशेष कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ भी लगातार फास्ट फुड की चिंता से सारी दुनिया को अवगत करा रहा है। इसके बाद भी भारत सरकार फास्ट फूड के व्यवसाय को बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा टैक्स पाने के लिए, लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रही है। पर्यावरण के साथ खिलवाड़ हो रहा है। भारत में जलवायु परिवर्तन भी बड़ी तेजी के साथ देखने को मिल रहा है। कैंसर और अन्य बीमारियों के मरीज अब ग्रामीण अंचलों में भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। इसके बाद भी भारत सरकार की प्राथमिकता में फास्ट फूड को नियंत्रित करने की दिशा में कोई प्रोग्राम नहीं है। भारत सरकार की गलत नीतियों के कारण स्थानीय स्तर पर रोजगार के जो अवसर था वह भी खत्म होते चले जा रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो देश का भगवान ही मालिक है। युवाओं की सबसे बड़ी आबादी होते हुए भी युवा बीमार और कमजोर है। बीमार आबादी भारत का भविष्य किस तरह से बना पाएगी। इसे आसानी से सोचा और समझा जा सकता है।

चिंतन-मनन

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हमें जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करे। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है। हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दशार्ते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होता है वह प्रसन्न होता है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराता है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े।

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल होते बच्चों पर बढ़ते खतरे चिन्ता का बड़ा कारण बन रहे हैं। बच्चों के स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं तो बढ़ ही रही हैं, बच्चे अलगाववादी, हिंसक एवं अस्वस्थ गतिहीन जीवनशैली के अंग बनते जा रहे हैं। छोटी अवस्था में बच्चे अधिक समय ऑनलाइन बिताने के कारण साइबरबुलिंग, ऑनलाइन शिकारियों और अन्य जोखिमों के शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया बच्चों एवं युवाओं के संवाद का जैसे-जैसे अभिन्न माध्यम बन रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह के जोखिम एवं खतरे भी जुड़ते जा रहे हैं, जिनसे बच्चों एवं किशोरों को बचाने के लिये भारत में वर्ष 2023 में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट लाया गया, इस एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों पर बढ़ रहे खतरों से सुरक्षा देने के लिये एक प्रभावी एवं सराहनीय कदम है। पांच वर्ष से अठारह वर्ष के बच्चों में मोबाइल, इंटरनेट एवं टेक्नोलॉजी एडिक्शन की लत बढ़ रही है, जिनमें स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, टैब, लैपटॉप आदि सभी शामिल हैं। यह समस्या केवल भारत की नहीं, बल्कि दुनिया के हर देश की है। ऐसे अनेक ऑनलाइन लत के शिकार रोगी बच्चें अस्पतालों में पहुंच रहे हैं, जिनमें इस लत के चलते बच्चे बुरी तरह तनावग्रस्त थे। कुछ दोस्त व परिवार से कट गए, कुछ तो ऐसे थे जो मोबाइल न देने पर पेरेंट्स पर हमला तक कर देते थे। बच्चे आज के समय में अपने आप को बहुत जल्दी ही अपनी उम्र से ज्यादा बड़ा महसूस करने लगे हैं। अपने ऊपर किसी भी पाबंदी को बुरा समझते हैं, चाहे वह उनके हित में ही क्यों ना हो। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को उजागर किया। इंटरनेट की यह आभासी दुनिया ना जाने और कितने मासूम व छोटे बच्चों को अपने जाल में फंसाएगी और उनका जीवन तबाह करेगी? बच्चों के इंटरनेट उपयोग पर निगरानी व उन्हें उसके उपयोग की सही दिशा दिखाना बेहद जरूरी है। यदि मोबाइल की स्क्रिन और अंगुलियों के बीच सिमटते बच्चों के बचपन को बचाना है, तो एक बार फिर से उन्हें मिट्टी से जुड़े खेल, दिन भर धमा-चौकड़ी मचाने वाले और शरारतों वाली बचपन की ओर ले जाना होगा। ऐसा करने से उन्हें भी खुशी मिलेगी और वे तथाकथित इंटरनेट से जुड़े खतरों से दूर होते चले जाएंगे। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग की वजह से साइबर अपराधों की संख्या भी बढ़ रही है। हमारी सरकार एवं सुरक्षा एजेंसियां इन अपराधों से निपटने में विफल साबित हो रही हैं। आज के डिजिटल युग में, माता-पिता के पालन-पोषण का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन और डिजिटल उपकरणों के व्यापक उपयोग के साथ, डिजिटल युग में बच्चों के पालन-पोषण में और ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आभासी दुनिया के तिलिस्मी संसार के कारण जीवन में आ रहे बदलाव ने कई ज्वलंत एवं चुनौतीपूर्ण मुद्दों को सामने ला दिया है, जिनसे माता-पिता को जूझना पड़ता है, जिससे पालन-पोषण का कार्य और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऑनलाइन सुरक्षा से लेकर स्क्रीन टाइम को प्रबंधित करने और लगातार विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य का हिस्सा बनने तक,

माता-पिता के लिए खुद ही यह काफी नया सा है। खुद को जानकारी से लैस करके और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर, हम अपने बच्चों को जिम्मेदारी से डिजिटल दुनिया में सावधानीपूर्वक हिस्सा बनने के लिए सशक्त बनाते हुए उनके लिए एक स्वस्थ और संतुलित डिजिटल वातावरण बना सकते हैं। अपने बच्चों को तकनीक का उपयोग ऐसे तरीकों से करने में मदद करें जो रचनात्मकता और सीखने को बढ़ावा दें। उन्हें शैक्षिक ऐप तलाशने, डिजिटल कला बनाने या कोडिंग जैसे नए कौशल सीखने के लिए प्रोत्साहित करें। इससे उन्हें तकनीक को सिर्फ. मनोरंजन के बजाय विकास एवं ज्ञान अर्जन के साधन के रूप में देखने में मदद मिल सकती है। तकनीक के अच्छे और बुरे दोनों पक्षों को जानकर और स्पष्ट सीमाएँ निर्धारित करके, हम बच्चों को उनके स्क्रीन समय के साथ एक स्वस्थ संतुलन बनाने में मदद कर सकते हैं। इस तरह, वे बचपन की खुशियों का अनुभव करते हुए तकनीक के लाभों का आनंद ले सकते हैं, जिसमें बाहर खेलना, दोस्तों के साथ समय बिताना और अपने आस-पास की दुनिया की खोज करना शामिल है। मोबाइल एवं डिजिटल साइट पर कुल निर्भरता बढ़ गई है। लोग अपने फोन एवं इन्टरनेट का इस्तेमाल खाना खाते समय, लिविंग रूम में और यहां तक कि परिवार के साथ बैठकर उपयोग करते हैं। कम से कम अस्सी प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अपने फोन पर तब भी होते हैं, जब वे अपने बच्चों के साथ समय बिता रहे होते हैं और वे अपने बच्चों, परिवेश पर ध्यान नहीं देते हैं और जब उनके बच्चे उनसे कुछ पूछते हैं तो वे चिढ़ जाते हैं। दरअसल, भारत सरकार के डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को अधिक प्रभावी एवं कारगर बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन गैमस् की आदत भी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, इसके घातक परिणाम भी सामने आ रहे हैं और लोगों के बीच इसे लेकर चिंता बढ़ रही हैं। इसलिये दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह बच्चों को ऑनलाइन गेम की लत से बचाने के लिए राष्ट्रीय नीति बनाने पर गंभीरता से विचार करें। आज इंटरनेट का दायरा इतना असीमित है कि अगर उसमें सारी सकारात्मक उपयोग की सामग्री उपलब्ध हैं तो बेहद नुकसानदेह, आपराधिक और सोचने-समझने की प्रक्रिया को बाधित करने वाली गतिविधियां भी बहुतायत में मौजूद हैं। आवश्यक सलाह या निर्देश के अभाव में बच्चे ऑनलाइन गेम या दूसरी इंटरनेट गतिविधियों के तिलिस्मी दुनिया में एक बार जब उलझ जाते हैं तो उससे निकला मुश्किल हो जाता है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। एक और रणनीति यह है कि बच्चों को तकनीक का संयम से इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करें और इसे पढ़ने, बाहर खेलने और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने जैसी अन्य गतिविधियों के साथ संतुलित करें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती का गंभीरता के साथ सामना करने की जरूरत है।

नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की शक्ति लगे

ललित गर्ग

प्रवासी भारतीय दिवस भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी, सबसे बड़े प्रवासी के रूप में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौट थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। यह दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख, दूरगामी एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है, जो विदेशों में बसे भारतीयों को भारत के साथ जोड़ने और आपस में संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष का 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के इस दिवस की थीम है ह्वविकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदानह्व। यह थीम भारत को आत्मनिर्भर और विश्वस्तरीय विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करती है। क्योंकि प्रवासी भारतीय आज वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट शक्ति बन गया है, जो हर क्षेत्र में एक ऊर्जावान और आत्मविश्वासी समुदाय के रूप में विकसित होकर भारत का गौरव बढ़ा रहा है और विभिन्न देशों में उच्च पदों पर स्थापित होकर विश्व मामलों में शानदार योगदान दे रहा है। प्रवासी भारतीयों ने असाधारण समर्पण, प्रतिभा कौशल, लगन और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति, खेल, व्यवसाय, शिक्षा, फिल्म परोपकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनने के लिए कई चुनौतियों को पार किया है।

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। विदेशों में रहते हुए भी प्रवासी भारतीय अपने देश, अपनी माटी, अपनी संस्कृति एवं अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। आज की तारीख में भारतीय नई शक्ति के तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा चुके हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक पैसा भारतीयों ने अपने देश भेजा है। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में भारत को प्रवासी भारतीयों से 129 बिलियन डॉलर का धन मिला है। यह अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत की विकास गाथा लिखने के साथ परोपकारी कार्य करने के लिए प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है। उनकी सफलता का श्रेय उनकी परम्परागत सोच, सांस्कृतिक मूल्य, शैक्षणिक योग्यता एवं प्रतिभा को दिया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रवासी भारतीयों की ताकत को देखते हुए और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए 2002 में एनडीए की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने हर वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का निर्णय किया था। नौकरी, उद्योग, व्यापार और दूसरे कई कारणों से अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वालों में भारतीयों की आबादी दुनिया में सर्वाधिक है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय वहां की सरकारों में मंत्री और सांसद तो निर्वाचित हुए ही हैं बल्कि नीति निर्धारक विभागों में उच्च पदों पर आसीन हैं। भारतीयों की खासियत है कि वे जिस भी देश में गए उन्होंने वहां की संस्कृति और संविधान को आत्मसात कर लिया। वहां के व्यापार, उद्योग, चिकित्सा क्षेत्र आदि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भले ही प्रवासी भारतीयों ने वहां का सब कुछ आत्मसात कर लिया है लेकिन वह भारत माता की माटी की सुगन्ध को नहीं भूले। उनकी रगों में भारत की संस्कृति एवं संस्कार रचे-बसे हैं। प्रवासी भारतीयों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता एक वास्तविकता बन सकती है। भारत ने नवंबर 2017 में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी की पुनर्नियुक्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र में दो-तिहाई मत हासिल कर अपने राजनयिक प्रभाव का प्रदर्शन किया। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं। दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं।

कुंभ 2025: भारत की सांस्कृतिक धरोहर और उत्तर प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का प्रतीक

मनीष नागर

महत्त्व और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

प्रयागराज का कुंभ मेला भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अद्वितीय संगम है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है, जहां करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर स्नान करने आते हैं। कुंभ का आयोजन प्रत्येक 12 वर्षों में होता है और इसकी जड़ें प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मिलती हैं। कुंभ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक भी है।

2025 कुंभ: विशेष अपेक्षाएँ और महत्व

कुंभ 2025 को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक तैयारियों की योजना बनाई है। इस बार श्रद्धालुओं की संख्या 15 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक शामिल होंगे। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, कला, और परंपराओं का वैश्विक मंच भी है।

राजस्व सृजन और आर्थिक प्रभाव

कुंभ 2025 से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। राज्य सरकार ने अनुमान लगाया है कि इस आयोजन से लगभग ?1.2 लाख करोड़ का राजस्व सृजित होगा। होटल, परिवहन, खान-पान, और स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयागराज और उसके आस-पास के ऐतिहासिक स्थलों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। कुंभ मेले के दौरान रोजगार के अवसरों में भी भारी वृद्धि होगी। अनुमान है कि इससे लगभग 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। छोटे व्यवसाय, जैसे गंगा घाटों पर दुकानें, शिल्प बाजार, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

सुरक्षा और प्रबंधन: सरकार की प्राथमिकता

कुंभ जैसे विशाल आयोजन की सफलता के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार ने इस बार विशेष हाई-टेक सुरक्षा उपायों को लागू करने की योजना बनाई है। इनमें ड्रोन निगरानी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित भीड़ प्रबंधन प्रणाली, और लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग जैसे उपाय शामिल हैं। इसके साथ ही, मेले में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 24/7 हेल्पलाइन, मेडिकल कैंप, और ई-रिक्शा सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

आज का राशिफल

मेष ससुराल पक्ष का किसी व्यक्ति से यदि रिश्तों में कटुता आ गई थी, तो वह भी दूर होगी।	**तुला** आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहने वाला है। आप किसी से धन उधार लेने से बचें।
वृषभ दिन समस्याओं से राहत दिलाने वाला रहेगा। काम के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है।	**वृश्चिक** आपके लिए तनावग्रस्त रहने वाला है। उतार-चढ़ावों के कारण समस्या भरपूर रहेगी।
मिथुन दिन ऊर्जावान रहने वाला है। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा।	**धनु** दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आपने यदि शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट किया था।
कर्क आज का दिन आपके लिए बिजनेस के मामले में अच्छा अच्छा रहने वाला है।	**मकर** कार्यक्षेत्र में साथी के मनवाने व्यवहार को लेकर परेशान रहेंगे। सोच समझकर काम करें।
सिंह आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर बेवजह न उलझें।	**कुंभ** आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बढ़िया रहने वाला है।
कन्या आप यदि किसी से कोई मदद मांगेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगी।	**मीन** आपको अपने परिवार में किसी सदस्य से कोई वादा सोच समझकर करना होगा।

विशेष

आपदा दिल्ली में नहीं, बीजेपी में आई है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनसभा में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के ऊपर तगड़े प्रहार किए थे। अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आपदा बताया था। इसका जवाब देते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, 43 मिनट के भाषण में मोदी 10 साल का कोई काम नहीं गिना पाये। केजरीवाल ने कहा, आपदा भाजपा और प्रधानमंत्री के लिए है। दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति केसी है, यह दिल्ली की जनता जानती है। दिनदहाड़े गैंगस्टर दिल्ली में गोलियां चला रहे हैं। महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो रहे हैं। 2022 में सभी को पक्का मकान देने का वादा किया था। जो वादे करते हैं, उसे निभाते नहीं है। अपना कोई काम बता नहीं पाते हैं। केवल लफ्फाजी करते हैं। दिल्ली की जनता है सब जानती है।

शेख हसीना का पासपोर्ट रद्द

बांग्लादेश से अपदस्थ की गई प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर बांग्लादेश और भारत के बीच तनाव की स्थिति निर्मित हो चुकी है। दरअसल बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस वाली अंतरिम सरकार भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है और हसीना को जेल भेजने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा चुकी है। अब जब कुछ होता हुआ नहीं दिख रहा है तो शेख हसीना पर चल रहे आपराधिक मामलों को लेकर युनूस सरकार ने पहले उनका अरेस्ट वारंट जारी किया और अब खबर है कि उन्होंने शेख हसीना का पासपोर्ट रद्द कर दिया है। बात यहीं खत्म नहीं होती क्योंकि भारत सरकार ने दिल्ली में रह रहीं निर्वासित पीएम शेख हसीना की वीजा अवधि बढ़ा दी है।

कार्टून कोना

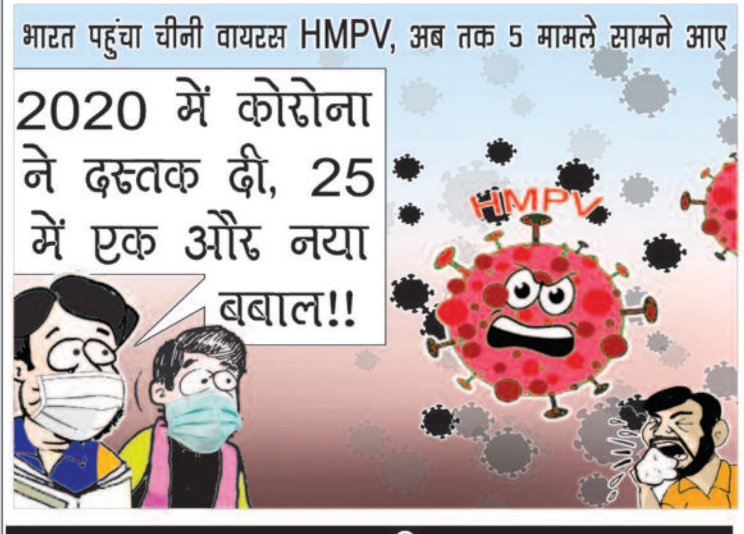

आज का इतिहास

1664 सूरत अभियान के बाद शिवाजी वापस लौटे. 1719 फ्रांस ने स्पेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1792 रूसी तुर्की युद्ध समाप्त हुआ. 1913 अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का जन्म. 1915 दक्षिण अफ्रीका से गांधीजी मुंबई पहुंचे. 1945 द्वितीय विश्व युद्ध में अमरीकी फौजों ने लुजोन,फिलीपींस पर हमला किया. 1968 अमरीकी सर्वेयर 7 चांद पर उतरा. 1973 श्वेत शासित रोडेशिया ने जांबिया केसाथ अपनी सीमाएं सील की. 1980 चेक लेखक कारेल का जन्म. 1982 भारत के वैज्ञानिक अटलांटिका पहुंचने में सफल हुए. 1989 अफगान युद्ध समाप्त करने के बारे में सोवियत संघ और मुजाहिदीनों के बीच बातचीत टूट गई. 1990 रोमानिया के पूर्व मंत्री ने रहस्योद्घाटन किया कि सैनिकों को प्रदर्शनकारियों पर हमला करने का आदेश राष्ट्रपति निकोलाई चासेसकू ने दिया था. 1997 खाड़ी संकट के बारे में अमरीका विदेश मंत्री जेम्स बेकर और इराकी विदेश मंत्री तारिक अजीज के बीच बातचीत हुई.

दैनिक पंचांग

9 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.07 बजे से
चंद्र	मेष में	कुंभ	08.54 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	10.27 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.57 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	13.37 बजे से
शुक्र	कुंभ में	मिथुन	15.35 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	17.49 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	20.05 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	22.17 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		तुला	00.28 बजे से
		वृश्चिक	02.42 ब.से
		धनु	04.58 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का नौवा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास पौष **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 12.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 15.07 बजे को समाप्त।
योग साध्य 17.29 बजे को समाप्त।
करण गर 12.23 बजे तदनन्तर वणिज 23.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 06'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872219
जूलियन दिन 2460684.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रज्जब
तारीख 08
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ऑनलाइन सीखें स्पोकन इंग्लिश

बच्चे हों या बूढ़े इन दिनों हाथों हाथ मोबाइल होना आम बात है। शॉपिंग, मूवी, मनी ट्रांसफर, बैंकिंग, गेम्स आदि सबकुछ की ऑनलाइन सुविधा है। ऐसे में हर कोई अपने-अपने स्मार्टफोन में ही बिजी है। महिलाओं के लिए भी इंटरनेट ने काफी सुविधाएं दे रखी हैं। खाना बाना से लेकर सिलाई-बुनाई जैसी कई जरुरी चीजों की जानकारी हमें गूगल के माध्यम से मिल जाती है। यहां तक पढ़ाई के लिए भी कई सारे ऐप्स और वेबसाइट्स इंटरनेट पर इजिली आपको मिल जाएंगे। इसका सही इस्तेमाल कर आप घर बैठे ही अपनी अंग्रेजी भी ठीक कर सकती हैं। अगर आप घर बैठे इंग्लिश स्पोकन सीखना चाहती हैं, तो आपको अब ज्यादा खर्च भी नहीं लगेगा। यहां हम आपको इंग्लिश स्पोकन के कुछ ऐसे वेबसाइट्स बताएंगे, जहां से आप बिल्कुल फ्री स्पोकन सीख सकती हैं।

ऐप्स की लें मदद

ऑनलाइन इंग्लिश सीखने के लिए आपको अपने एंड्रॉयड फोन या आईफोन में लैंग्वेज लर्निंग ऐप्स डाउनलोड कर सकते है। यहां आपको ढेर सारे ऐप्स मिलेंगे। कुछ बिल्कुल फ्री तो कुछ में डेमो क्लास के बाद फीस देनी होती है। आप डेमो क्लास से भी बेसिक इंग्लिश सीख जाएंगी।

ऑनलाइन इंग्लिश न्यूजपेपर

किसी भी भाषा पर अच्छी पकड़ बनाने के लिए न्यूजपेपर बहुत अच्छा मीडियम माना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो अपने फोन या लैपटॉप में कुछ इंग्लिश न्यूजपेपर के ऐप्स को डाउनलोड कर कर सकते हैं।

मोबाइल या लैपटॉप में पढ़ें किताबें

इंग्लिश रीडिंग डालने से भी स्पोकन अच्छी होती है। ऐसे में आप चाहें तो ऑनलाइन किताबें भी पढ़ सकती हैं। इसका फायदा यह होता है कि आप कभी भी और कहीं भी उसे एक्सेस कर सकती हैं। वर्ड पावर बढ़ाने के लिए आप ऑनलाइन डिक्शनरी भी पढ़ सकती हैं। इससे रोजाना कुछ शब्द भी याद होंगे और उनसे इंग्लिश स्पोकन की प्रैक्टिस में भी मदद मिलेगी।

पॉडकास्ट भी है अच्छा ऑप्शन

इन दिनों पॉडकास्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आप कभी भी इंग्लिश पॉडकास्ट सुनकर अपनी इंग्लिश स्पोकन के साथ कम्युनिकेशन स्किल बढ़ा सकती हैं। इससे आपको शब्दों का सही उच्चारण सीखने का मौका मिलेगा। इन्टरनेट पर हजारों इंग्लिश पॉडकास्ट आपको मिल जाएंगे।

भारत में लगातार विकसित हो रहा है फैशन उद्योग

फैशन के क्षेत्र में अपना परचम लहराने के लिए प्रोफेशनल्स का कौशल, ज्ञान व प्रदर्शन ही उन्हें दूसरों से अलग करता है। सिर्फ चंद किताबें रट कर फैशन अथवा उसकी बिक्री करने की कला नहीं सीखी जा सकती। मौजूदा बाजार माहौल के कारण अब पहले की अपेक्षा कहीं अधिक जरूरी हो गया है कि आप अपने कार्य कौशलों को बढ़ा कर फैशन इंडस्ट्री में अपनी रचनात्मकता को आजमाएं।

एक अध्ययन के मुताबिक भारत की फैशन इंडस्ट्री इस समय 200 करोड़ का आंकड़ा छू रही है तथा बड़े डिजाइनरों की सालाना बिक्री लगभग 25 करोड़ रुपए है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह बाजार 35 बिलियन डॉलर के करीब है। यह इंडस्ट्री आने वाले सात वर्षों में भारतीय बाजार में ढाई हजार करोड़ तक पहुंचने का रिकॉर्ड बना सकती है। फैशन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने फैशन एंड डिजाइन प्रमोशन काउंसिल (एफडीपीसी) का गठन किया है। इस काउंसिल ने उभरते फैशन डिजाइनरों तथा स्कूल-कॉलेजों से पास हुए छात्रों के लिए 25 फीसदी आरक्षण का प्रावधान भी किया है। भारत में फैशन उद्योग लगातार विकसित हो रहा है तथा अंतरराष्ट्रीय फैशन के क्षेत्र में एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इंडिया फैशन वीक और भारत के प्रमुख शहरों में फैशन डिजाइनरों द्वारा वार्षिक शो जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से साफ हो गया है कि मिस वर्ल्ड, मिस यूनिवर्स व अन्य प्रतियोगिताओं में भारतीय सुंदरियां किसी से कम नहीं हैं।

कोर्स की रूपरेखा

महज बोर्ड पर किसी डिजाइन की स्केचिंग ही महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि छात्रों को इस इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसके अंतर्गत गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल साइंस, अपैरल कंस्ट्रक्शन मेथड, फैब्रिक डाइंग एवं प्रिंटिंग, कलर मिक्सिंग एवं.. ..कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) आदि क्षेत्रों में से किसी एक का चयन करना होता है। फैशन डिजाइनिंग में कई सारे कोर्स जैसे एक्सेसरीज एवं ज्वैलरी डिजाइनिंग, मॉडलिंग, गारमेंट डिजाइनिंग, लेदर डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, टैक्सटाइल डिजाइनिंग, फुटवेयर डिजाइनिंग आदि को शामिल किया जाता है। इसके अलावा भी कई महत्त्वपूर्ण कोर्स इस इंडस्ट्री के लिए कारगर होते हैं, जैसे कि एमए, पीजी, बीए, अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा, शॉर्ट टर्म लेवल आदि कोर्स।

फैशन जगत की शाखाएं

बात यदि फैशन इंडस्ट्री की शाखाओं की हो तो इसमें कई विकल्प निखर कर सामने आते हैं। छात्रों की अपनी रुचि के अनुसार क्षेत्रों का चयन करना होता है। कुछ शाखाएं नीचे दी गई हैं-

फैशन कम्युनिकेशन

जब भारी संख्या में घरेलू और विदेशी ब्रांड, कंपनियां और डिजाइनर भारतीय बाजार पर धावा बोल रहे हों तो इन सबके लिए अपनी विशिष्ट ब्रांड पहचान विकसित करना और बिक्री के लिए अधिकतम मात्र में उपलब्ध रहना अनिवार्य हो जाता है। यह बड़ा काम फैशन कम्युनिकेशन प्रोफेशनल्स आसान कर देते हैं।

फैशन स्टाइलिंग

भारत में फैशन स्टाइलिंग भले ही एक नया कॉन्सेप्ट हो, लेकिन यह तेजी से आकर्षक करियर में तब्दील हो रहा है। सफल स्टाइलिस्ट बनने के लिए फैशन के हर पहलुओं पर नजर, टीम में काम करने की क्षमता होनी जरूरी है। इसके कोर्स में मेकअप, हेयर स्टाइलिंग, फोटोग्राफी, कम्प्यूटर एवं आईटी एप्लीकेशंस की जानकारी विकसित करने के लिए टूल्स, टेक्नीक्स और स्किल्स सिखाये जाते हैं।

फैशन फोटोग्राफी

फैशन जर्नलिस्ट का दूसरा काम फोटोग्राफी से संबंधित होता है। अभिलाषा और कल्पना की उड़ान के धागों से बने कपड़ों की तस्वीरों को जर्नलिस्ट अपने पाठकों के लिए कुछ इस प्रकार से मढ़ता है कि पाठक उससे खुद को आसानी से जोड़ सकें।

फैशन जर्नलिज्म

योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए फैशन जर्नलिज्म में रोजगार के लिए बेहतरीन ऑप्शंस हैं, क्योंकि फैशन इंडस्ट्री में एक्सक्लूसिव राइटिंग और टीवी प्रोग्राम बनाने के लिए बहुत अवसर हैं। फैशन जर्नलिस्ट फुलटाइम या फ्रीलांस के रूप में काम करते हैं।

विदेश में चाहिए नौकरी तो रिज्यूमे बनाते समय इन बातों का रखें ख्याल

अगर आपका भी सपना विदेश में नौकरी करने का हैं तो आपको रिज्यूमे बनाते समय कुछ खास चीजों का ध्यान रखना होगा।

विदेश में नौकरी करना सभी का सपना होता है। कई लोग सालों तक विदेश में नौकरी करने के लिए इंटरव्यू देते हैं। हालांकि कई बार हमें इंटरव्यू के लिए भी कॉल नहीं आता है। विदेश में नौकरी चाहिए तो आपको अपने रिज्यूमे पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आपका रिज्यूमे सही तरीके से बना होगा तो आपको नौकरी के लिए तुरंत कॉल आ सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि आपको रिज्यूमे बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

वर्क एक्सपीरियंस

वर्क एक्सपीरियंस आपको सही तरीके से लिखना है। आपने किस कंपनी में क्या- क्या काम किया है और क्या कुछ नया सीखा है। इसे आपको विस्तार से लिखना होगा। किसी भी कंपनी से आपको तभी कॉल आएगा जब आपका रिज्यूमे उन्हें पसंद आएगा। ऐसे में आपको अपने वर्क एक्सपीरियंस को अच्छे से लिखना चाहिए।

एजुकेशन

आपको अपने एजुकेशन के बारे में विस्तार से लिखना होगा। तभी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा। एजुकेशन-क्वालिफिकेशन के दौरान आपको यह भी लिखना होगा कि आपके कितने मार्क्स आए थे। कई कंपनियां मार्क्स भी देखती हैं।

स्किल्स पर ध्यान दें

आपको अपने स्किल्स के बारे में लिखना है। ध्यान रखें कि रिज्यूमे पर जो भी लिखा होता है आपसे उसी चीज को लेकर सवाल पूछे जाते हैं। ऐसे में आपको अपने स्किल्स को लेकर काफी ध्यान देना है। उन्ही चीजों के बारे में लिखें जो आपको आता है। अगर आपको नहीं आता होगा तो इंटरव्यू के दौरान आप सभी सवालों का जवाब नहीं दे पाएगे।

पर्सनल डिटेल जरूर लिखें

कंपनी आपको भारत से विदेश बुलाएगी तो आपका वह बैकग्राउंड जरूर चेक करेगी। ऐसे में आपको अपने रिज्यूमे में पर्सनल डिटेल जरूर ऐड करना चाहिए। आप अपने फैमिली डिटेल और अपना पूरा डिटेल जरूर लिखें।

एग्जाम स्ट्रेस को इस तरह करें दूर

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनाव बढ़ता जाता है।

परीक्षा के दिन बच्चों के लिए सबसे अधिक तनावपूर्ण होते हैं। बच्चे कितना भी चाहें, लेकिन फिर भी वह परीक्षा के स्ट्रेस को खुद से दूर नहीं रख पाते। कुछ बच्चों का तनाव इस हद तक बढ़ जाता है कि वह अपनी पढ़ाई में भी ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते। जिससे उनकी परीक्षाएं प्रभावित होती हैं। कई बार तो यह स्ट्रेस उनके मानसिक ही नहीं, शारीरिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। हालांकि अगर आप बच्चों को परीक्षा के दिनों में स्ट्रेस फ्री रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपना सकते हैं-

सिर्फ पढ़ाई नहीं

परीक्षा के दिनों पर बच्चों के मन में तनाव का एक मुख्य कारण हरदम पढ़ाई की बात करना होता है। दरअसल, एक ओर बच्चे पहले ही पढ़ाई को लेकर चिंतित रहते हैं, वहीं दूसरी ओर घर का माहौल भी कुछ ऐसा होता है, जिससे बच्चे का तनवा बढ़ता जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि आप बच्चे से हरदम पढ़ाई की ही बात ना करें, बल्कि उसके साथ थोड़ी देर टहलें या फिर खेलें। अन्य एक्टिविटी करने से बच्चे का मूड फ्रेश होता है, जिससे वह बेहतर तरीके से परफॉर्म करते हैं।

बनाएं स्टडी प्लॉन

अमूमन माता-पिता बच्चों से सिर्फ पढ़ाई की ही बात करते हैं, जिससे बच्चा परेशान हो जाता है। यकीनन इस समय बच्चों को अतिरिक्त पढ़ाई करने की जरूरत होती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप एक स्टडी प्लॉन बनाएं। मसलन, बच्चा पूरे दिन में कितनी देर पढ़ाई करेगा और उसके कितनी देर का ब्रेक लेना है। एक बार में वह कितने पार्ट को कवर करेगा, इन सब की प्लानिंग पहले ही कर लें। इस तरह जब आप पहले से ही सारी प्लानिंग कर लेंगी तो इससे बच्चों का भी तनाव कम होगा।

खान-पान

परीक्षा के दिनों में बच्चों का खान-पान भी काफी अहम होता है। इस दौरान बच्चों को अतिरिक्त भूख लगती है। लेकिन आप बच्चों को हैवी या तला हुआ फूड खिलाने की जगह थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ ना कुछ खाने को दें। साथ ही लिक्विड की मात्रा अधिक रखें और उसे हेल्दी स्नैक्स जैसे रोस्टेड बादाम या मखाना आदि दें। यह बच्चे को लंबे समय तक फुल रखेंगे और उनका एनर्जी लेवल बनाए रखेंगे। इतना ही नहीं, उनका संतुलित खान-पान बच्चों के तनाव को दूर करता है।

करें रिलैक्स

अगर बच्चा पढ़ाई को लेकर अतिरिक्त तनाव में है तो आप उनके साथ मिलकर कुछ रिलैक्सेशन एक्टिविटी कर सकते हैं। जैसे डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन, करें। इसके अलावा आप कुछ देर उन्हें जो पसंद हो, वह जरूर करने दें। भले ही वह म्यूजिक सुनना हो या फिर कोई गेम खेलना। दरअसल, इस तरह की एक्टिविटी बच्चे के लिए स्ट्रेस बस्टर की तरह काम करती है।

अगर आप भी ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं...

अगर आप ड्रोन पायलट में अपना करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं, तो जानिए कि इसके लिए आपके पास क्या-क्या योग्यताएं होनी चाहिए।

आधुनिक दौर में आज हर एक काम टेक्नोलॉजी से कंटेक्ट हो चुका है। एक समय हुआ जब ड्रोन को हम सभी केवल टेलीविजन और इक्का दुक्का जगहों पर देखने को मिलता था। लेकिन आज अधिकतर फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर, इंफ्लूयसर, आदि के पास देखने को मिल जाता है। पहले एक समय हुआ करता था जब ड्रोन को उड़ाने वाले लोगों के पास ट्रेनिंग होती थी। लेकिन समय के बदलते दौर के साथ सिक्योरिटी से लेकर मीडिया इंडस्ट्री हर जगह ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। शादी-विवाह से लेकर फिल्म शूटिंग हर जगह पर ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो जानिए कैसे आप इस फील्ड के लिए तैयार हो सकते हैं।

ड्रोन पायलट बनने की योग्यता

ड्रोन का इस्तेमाल कामर्शियल फील्ड और रीक्रिएशनल फील्ड दोनों में किया जा रहा है। ड्रोन पायलट बनने के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है। ड्रोन उड़ाने के लिए आपको प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेने की जरूरत होती है। आपको यह जानना भी जरूरी है कि ड्रोन पायलट बनने के लिए योग्यता अलग-अलग संस्थान के हिसाब से भी निर्धारित होती है।

कैसे बन सकते हैं ड्रोन पायलट

ड्रोन पायलट बनने वाले कैंडिडेट को डीजीसीए द्वारा रिकग्नाइज इंस्टीट्यूट से ट्रेनिंग लेनी होती है। इसके लिए आपको मेडिकल एग्जामिनेशन भी क्लियर करना होता है।

लाइसेंस लेने के लिए करना होता एग्जाम क्लियर

लाइसेंस पाने के लिए पहले ट्रेनिंग लेनी होती है इसके बाद आपको लिखित परीक्षा क्लियर करनी होती है। आपको बता दें कि इसके लिए डीजीसीए लाइसेंस (कोचिंग गाइडलाइन) देता है। अगर बात करें फीस के बारे में तो इंस्टीट्यूट के हिसाब से यह 30 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकती है।

सरकार द्वारा लांच की गई वेब साइट

कुछ समय पहले इंडियन गवर्नमेंट की तरफ से वेबसाइट लॉन्च की है। इस साइट पर जाकर आप ड्रोन पायलट करियर से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

महंगे मकानों की बिक्री 12 साल के शीर्ष पर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्थिर ब्याज दरों व मजबूत आर्थिक विकास के बीच महंगे मकानों की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 2024 में 12 साल के शीर्ष पर पहुंच गई है। इस दौरान कुल 3.51 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार, दो से पांच करोड़ रुपये की कीमत वाले मकानों की मजबूत मांग देखी गई। हैदराबाद और पुणे में बिक्री अब तक के

उच्च स्तर पर पहुंच गई है। मुंबई में 13 साल के शीर्ष पर बिक्री रही है। दो से पांच करोड़ रुपये की श्रेणी में 85 फीसदी की वृद्धि रही। एक करोड़ रुपये से कम कीमत वाले मकानों की बिक्री में गिरावट रही। नाइट फ्रैंक के चेयरमैन शिशिर बैजल ने कहा, महंगे घर की बिक्री ज्यादा इसलिए है, क्योंकि खरीदार बेहतर जीवनशैली चाहते हैं।इस मांग को पूरा करने के लिएडेवलपर्स महंगे-लग्जरी घर बना रहे हैं।

सिर्फ दिल्ली-एनसीआर में रही गिरावट- आठ शहरों में दिल्ली-एनसीआर एकमात्र ऐसा शहर था जहां 2023 की तुलना में 2024 में बिक्री में गिरावट रही। पिछले साल यहां चार फीसदी की गिरावट के साथ 57,654 मकान बिके थे। मुंबई में बिक्री 11 प्रतिशत बढ़कर 96,187 यूनिट्स हो गई।

बंगलूरू में दो फीसदी की तेजी- बंगलूरू में मकानों की बिक्री 2024 में दो फीसदी बढ़ी। पुणे में छह फीसदी की तेजी रही। हैदराबाद में 12 फीसदी व अहमदाबाद में 15 फीसदी की अच्छी खासी तेजी देखी गई। कोलकाता में 16 फीसदी की वृद्धि रही।

सोने के चढ़े भाव, चांदी के गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने के भाव में आज तेजी है। आज 24 कैरेट सोना औसतन 284 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 77410 रुपये के रेट से खुला। वहीं, चांदी आज महज 6 रुपये प्रति किलो टूटकर 89468 रुपये प्रति किलो के औसत रेट पर खुली। यह रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किया है, जिसमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो।

कैरेट के हिसाब से चेक करें गोल्ड सिल्वर के रेट- आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक 23

कैरेट गोल्ड का औसत भाव आज 283 रुपये बढ़कर 77100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। 22 कैरेट गोल्ड में 261 रुपये की तेजी है और यह 70908 रुपये पर है। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 213 रुपये चढ़कर 58058 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। 14 कैरेट गोल्ड की कीमत भी हर दस ग्राम पर 166 रुपये बढ़कर 45285 रुपये पर पहुंच गई है। बता दें आईबीजेए 105 साल पुराना एसोसिएशन है। यह दिन में दो बार दोपहर और शाम को गोल्ड रेट जारी करता है। ये दरें वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के अनुसार सॉवरेन और बॉन्ड जारी करने के लिए बेंचमार्क दरें हैं।

एनएसओ के आंकड़ों के बाद एसबीआई ने वृद्धि दर के अनुमानों में की कटौती

नईदिल्ली, एजेंसी। एनएसओ के 6.4 प्रतिशत वृद्धि दर के अनुमान के बाद एसबीआई ने भी अपने अनुमानों में कटौती कर दी है। एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। एसबीआई ने आर्थिक विकास को प्रभावित करने वाली चुनौतियों का हवाला देते हुए अपने अनुमान में यह संशोधन किया है।

रिपोर्ट में कहा गया, वित्त वर्ष 25 के लिए जीडीपी वृद्धि नीचे आकर लगभग 6.3 प्रतिशत रह सकती है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, विनिर्माण और ऋण वृद्धि में मंदी, उच्च आधार प्रभाव के प्रभाव के साथ, वित्त वर्ष 25 के लिए वृद्धि दर की उम्मीदें कम हुई हैं।

2025 में भारत की प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी 35 हजार रुपये बढ़ेगी। वास्तविक जीडीपी वृद्धि में मंदी और स्थिर नॉमिनल जीडीपी वृद्धि के बावजूद, प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी वित्त वर्ष 25 में बेहतर हो सकती है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में यह दावा किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 25 में

प्रति व्यक्ति नॉमिनल जीडीपी वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 35,000 रुपये अधिक होने का अनुमान है। व्यापक जीडीपी वृद्धि में गिरावट के बावजूद इस वृद्धि को सकारात्मक रूप से देखा जा सकता है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अपने पहले अग्रिम जीडीपी अनुमानों में, वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि निजी खपत आर्थिक विकास के प्रमुख चालक के रूप में उभरी है, जिसने वित्त वर्ष 2025 में वास्तविक रूप से 7.3 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि दर्ज की है।

प्रति व्यक्ति आधार पर निजी खपत में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो उपभोक्ता खर्च में मजबूत सुधार को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि प्रति व्यक्ति निजी अंतिम उपभोग व्यय की 6.3 प्रतिशत की वृद्धि प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की 5.3 प्रतिशत की वृद्धि को पार कर गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रवृत्ति घरेलू वित्तीय व्यवहार में बदलाव का संकेत देती है। आय के सापेक्ष उच्च खपत वृद्धि यह दर्शाती है कि परिवारों ने खर्च के स्तर को बनाए रखने के लिए अपनी बचत में कटौती की होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, वित्त वर्ष 2025 में बचत में शुद्ध कमी से निजी खपत को वित्तपोषित किया गया है। निष्कर्ष चुनौतियों के बीच भी भारत की खपत-संचालित अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को उजागर करते हैं। हालांकि, रिपोर्ट ने इस प्रवृत्ति की स्थिरता के बारे में भी सवाल उठाए हैं, खासकर अगर बचत के स्तर में गिरावट जारी रहती है। इसमें कहा गया है कि प्रति व्यक्ति पीएफसीई वृद्धि 5.3 प्रतिशत पर प्रति व्यक्ति जीडीपी वृद्धि से अधिक है। अगर यह सच है तो निजी खपत को वित्त वर्ष 25 में बचत में शुद्ध कमी से वित्तपोषित किया गया है। एसबीआई रिपोर्ट ने भारत के आर्थिक प्रक्षेपवक्र में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिसमें विकास की व्यापक कहानी को आकार देने में प्रति व्यक्ति आय और खपत जैसे व्यक्तिगत आर्थिक संकेतकों के महत्व पर जोर दिया गया।

वोडाफोन आइडिया और एयरटेल ने फायरफ्लाई में हिस्सेदारी बेची

सौदे से दोनों कंपनियों को कुल 9 करोड़ रुपये मिलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल ने वाई-फाई जॉइंट वेंचर फायरफ्लाई नेटवर्क्स में अपनी हिस्सेदारी बेच दी है। सोमवार शाम को इस बारे में घोषणा हुई। इसमें बताया गया कि कुमार मंगलम बिड़ला और सुनील मित्तल के नेतृत्व वाली दोनों दिग्गज टेलीकॉम कंपनियां इस जॉइंट वेंचर से पूरी तरह बाहर निकल गई हैं। उन्होंने अपनी पूरी हिस्सेदारी नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड समर्थित आइबीयूएस नेटवर्क एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को बेच दी है। इस सौदे से दोनों कंपनियों को कुल 9 करोड़ रुपये मिलेंगे। प्रत्येक को 4.5 करोड़ रुपये। सौदा 6 जनवरी को हुआ। इसके 30 दिनों के अंदर पूरा होने की उम्मीद है। पिछले साल भी, ये दोनों कंपनियां इस जॉइंट वेंचर से बाहर निकलने की कोशिश कर रही थीं। उस समय सिंगापुर की एक कंपनी के साथ बातचीत चल रही थी। इस खबर के बाद मंगलवार को शेयर बाजार में वोडा और एयरटेल के शेयरों में तेजी देखी गई।

वोडा और एयरटेल ने फायरफ्लाई नेटवर्क्स में अपनी पूरी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी आइबीयूएस नेटवर्क एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को बेच दी है। इससे फायरफ्लाई अब इन दोनों कंपनियों का जॉइंट वेंचर नहीं रहेगी।

कंपनियों ने दी यह जानकारी

कंपनियों ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कंपनी ने आइबीयूएस नेटवर्क एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक शेयर खरीद समझौता किया है। इसके तहत फायरफ्लाई नेटवर्क्स लिमिटेड में कंपनी की पूरी हिस्सेदारी (यानी 50 प्रतिशत) ट्रांसफर की जाएगी। यह सौदा कुछ शर्तों के पूरा होने पर निर्भर है।

इस सौदे से एयरटेल को 4.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। वीआई को भी इतनी ही राशि मिलेगी। इस तरह, दोनों कंपनियों को कुल 9 करोड़ रुपये मिलेंगे। यह समझौता 6 जनवरी को हुआ था। कंपनियों को उम्मीद है कि यह सौदा समझौते की तारीख से 30 दिनों के अंदर पूरा हो जाएगा। ये दोनों टेलीकॉम कंपनियां 2023 से ही इस वाई-फाई जॉइंट वेंचर से बाहर निकलने की कोशिश कर रही थीं। पिछले साल, वीआई और एयरटेल ने सिंगापुर की मनीपुपरा डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर ह्रक्च्ह क्लृद्. लिमिटेड के साथ 12.1 करोड़ रुपये में एक समझौता किया था। हालांकि, यह सौदा पूरा नहीं हो पाया था।

वोडा और एयरटेल के शेयरों में तेजी

इस खबर के बाद शेयर बाजार में हलचल देखी गई। मंगलवार को वीआई के शेयरों में लगभग 2 फीसदी की तेजी आई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 8.10 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। एयरटेल के शेयरों में भी लगभग 1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 1602 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया।

सपना पूरा करने के लिए मकान बेचा, फिर 110 करोड़ में कंपनी भी बिकी, अब 1000 करोड़ का साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। विराज बहल देश के सफल उद्यमी हैं। शार्क टैंक इंडिया के चौथे सीजन में वह नए जज के रूप में शामिल हुए हैं। अमन गुप्ता, अनुपम मित्तल, नमिता थापर, विनीता सिंह और पीयूष बंसल भी जजों के पैनल में मौजूद हैं। विराज की कहानी साधारण शुरुआत से एक बड़े फूड बिजनेस तक पहुंचने की है। उन्हें लोग भारत के एफएमसीजी सेक्टर, खासकर सॉस बनाने वाली कंपनी वीबा फूड्स के संस्थापक और एमडी के रूप में जानते हैं। 2013 में शुरू हुई वीबा फूड्स आज एक जाना-माना ब्रांड बन चुकी है।

इसने भारतीय फूड इंडस्ट्री को नया रूप दिया है। लेकिन, विराज की राह आसान नहीं थी। उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए। शुरुआती असफलताओं से लेकर आर्थिक तंगी तक विराज ने हर चुनौती का डटकर सामना किया। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति ही उनकी सफलता की कुंजी रही है। आइए, यहां विराज बहल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

फूड बिजनेस से बचपन से रहा नाता

विराज का फूड बिजनेस से बचपन से ही नाता रहा है। वह अक्सर अपने पिता की फैक्ट्री जाते थे। उनकी पहली नौकरी आहार दिल्ली ट्रेड फेयर में फन फूड्स के स्टॉल पर थी। छोटी उम्र से ही उन्हें फूड प्रोसेसिंग में रुचि हो गई थी। हालांकि, उनके पिता राजीव बहल चाहते थे कि विराज पहले खुद को आर्थिक रूप से सक्षम बनाएं। विराज ने मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। एक अच्छी नौकरी हासिल की। सफल करियर के बावजूद विराज का मन परिवार के बिजनेस में ही लगा रहा। 2002 में अपने पिता की अनुमति के बाद विराज फन फूड्स में शामिल हो गए। राजीव बहल के नेतृत्व में कंपनी तेजी से आगे बढ़ रही थी। अगले छह सालों में विराज ने फन फूड्स को एक जाना-माना ब्रांड बनाने में अहम भूमिका निभाई।

घर बेचकर नए बिजनेस के लिए जुटाए पैसे

इसके बाद विराज ने 2009 में पॉकेट फुल नाम से रेस्टोरेंट बिजनेस शुरू किया। लेकिन, चार साल बाद यह बिजनेस घाटे में चलने लगा। 2013 तक सभी छह आउटलेट बंद हो गए। इस असफलता ने विराज को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया, लेकिन उनकी हिम्मत नहीं टूटी। पत्नी के सहयोग से विराज ने फिर से शुरुआत करने का फैसला किया। उन्होंने अपना घर बेचकर नए बिजनेस के लिए पैसे जुटाए। इस बार विराज फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में वापस लौटे और 2013 में नीमराणा, राजस्थान में वीबा फूड्स की स्थापना की। गुणवत्ता और नएपन पर फोकस करते हुए वीबा जल्द ही सॉस बनाने वाली प्रमुख कंपनी बन गई।

चालू वित्त वर्ष में 9.7 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी नॉमिनल जीडीपी, कृषि क्षेत्र के प्रदर्शन से मिलेगी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन से देश की अर्थव्यवस्था के बढ़ने की रफ्तार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में घटकर भले ही चार साल के निचले स्तर पर आजाएगी, लेकिन नॉमिनल जीडीपी (मौजूदा कीमतों पर) की वृद्धि दर बढ़कर 9.7 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है।2023-24 में मौजूदा कीमतों पर आर्थिक वृद्धि दर 9.6 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से मंगलवार को जारी 2024-25 के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक, मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का आकार 2023-24 के 295.36 लाख करोड़ से 9.7 फीसदी बढ़कर 2024-25 में 324.11 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है। डॉलर मूल्य में अर्थव्यवस्था का आकार चालू वित्त वर्ष में 3.8 लाख करोड़ डॉलर है। इसका अनुमान 85.7 रुपये प्रति डॉलर के आधार पर लगाया गया है। मौजूदा कीमतों पर सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 267.62 लाख करोड़ से 9.3 फीसदी

बढ़कर 2024-25 में 292.64 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकता है।

तर्कसंगत अनुमान...बेहतर रहेगा कुछक्षेत्रों का प्रदर्शन- रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, एनएसओ के अनुमान तर्कसंगत लगते हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों का प्रदर्शन बेहतर रह सकता है।

निजी अंतिम उपभोग खर्च 7.3 फीसदी बढ़ेगा

स्थिर मूल्य पर निजी अंतिम उपभोग खर्च (पीएफसीई) में 2024-25 के दौरान 7.3 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है, जो 2023-24 में चार फीसदी रही थी। स्थिर मूल्य पर सरकारी अंतिम उपभोग खर्च (जीएफसीई) बीते वित्त वर्ष के 2.5 फीसदी की तुलना में चालू वित्त वर्ष में 4.1 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है।

विनिर्माण समेत इन क्षेत्रों में भी गिरावट का अनुमान

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में घटकर 5.3 फीसदी रह सकती है। 2023-24 में यह 9.9 फीसदी थी। व्यापार, होटल, परिवहन और संचार सहित सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर 2023-24 के 6.4 फीसदी की तुलना में कम होकर 5.8 फीसदी रह सकती है।

आत्रेय इनोवेशन्स के नाड़ी तरंगिणी को मिली सीडीएससीओ से मंजूरी

सीडीएससीओ से मंजूरी पाने वाला यह भारत का पहला आयुर्वेदिक उपकरण

नईदिल्ली, एजेंसी। पुणे के हिंजेवाड़ी की आत्रेय इनोवेशन्स कंपनी ने नाड़ी तरंगिणी नाम का आयुर्वेदिक पल्स डायग्नोस्टिक उपकरण बनाया है। यह डिवाइस भारत का पहला आयुर्वेदिक चिकित्सा उपकरण है जिसे सीडीएससीओ (सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन) से मंजूरी मिली है। सीडीएससीओ देश में सौंदर्य प्रसाधन, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के लिए राष्ट्रीय नियामक है। यह डिवाइस पद्म भूषण पुरस्कार विजेता प्रोफेसर जे.बी. जोशी और डॉ. अनिरुद्ध जोशी के दिमाग की उपज है। प्रो. जोशी इंस्टिट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के चांसलर और मराठी विज्ञान परिषद के अध्यक्ष हैं। डॉ. अनिरुद्ध जोशी ने आइआइटी बॉम्बे में छह साल से अधिक समय तक शोध के बाद इसे विकसित

किया है। इस डिवाइस की कीमत 55,000 रुपये है। कंपनी वर्तमान में सालाना 5,000 नाड़ी तरंगिणी उपकरण बनाने में समर्थ है।

कंपनी को हाल ही में 5 करोड़ रुपये की सीड फंडिंग मिली है। इस फंडिंग का उपयोग आगे के शोध, वितरण नेटवर्क स्थापित करने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाएगा। सीडीएससीओ सर्टिफिकेशन के लिए 25,000 से अधिक व्यक्तियों की जांच की गई और एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

क्या है नाड़ी तरंगिणी- नाड़ी तरंगिणी से नाड़ी की जांच करने पर 22 आयुर्वेदिक मानकों वाली 10 पेज की रिपोर्ट मिलती है। उपकरण यह रिपोर्ट 10 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध करा सकता है। डॉ. जोशी ने यह भी बताया कि नाड़ी तरंगिणी की एक्यूरेसी लगभग 85 फीसदी है।

आयुर्वेदिक उपचार को मिलेगी नई दिशा

प्रो. जे.बी. जोशी ने कहा, लगभग दो दशक पहले कल्पना किए गए विचार को सरकार की मंजूरी मिलते देख मैं वास्तव में खुश हूं। यह न केवल आयुर्वेदिक उपचार को नई दिशा देगा। अलबत्ता, इसके उपयोग से आयुर्वेदिक प्रथाओं के मानकीकरण की शुरुआत भी होगी ताकि इसे लोगों के लाभ के लिए दुनिया भर में ले जाया जा सके। डॉ. अनिरुद्ध जोशी ने कहा, नाड़ी तरंगिणी उन्नत,द्ध-संचालित पल्स डायग्नोस्टिक उपकरण है। इसे पारंपरिक आयुर्वेदिक प्रथाओं को रफ्तार देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह अल्ट्रा-सेंसिटिव सेंसर को अत्याधुनिक एल्गोरिदम के साथ जोड़ता है। इससे सटीक पल्स रीडिंग हासिल की जा सकती है। यह पेटेंट वाला उपकरण चिकित्सकों को 22 आयुर्वेदिक मानकों का विश्लेषण करने में मदद करता है। इनमें त्रिदोष संतुलन (वात, पित्त, कफ), तनाव का स्तर और पाचन स्वास्थ्य शामिल है।

अदाणी मामले को लेकर अमेरिकी सांसद ने उठाए सवाल, कहा- इससे भारत-अमेरिका के संबंध को नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय अरबपति गौतम अदाणी और उनकी कंपनियों के खिलाफ जांच के बाइडन प्रशासन के फैसले को लेकर रिपब्लिकन सांसद ने न्याय विभाग को घेरा है। सांसद ने कहा है कि ऐसी कार्रवाईयों से भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान हो सकता है। अमेरिकी अटार्नी जनरल मेरिक बी गारलैंड को लिखे पत्र में सांसद लांस गुडेन ने कहा कि न्याय विभाग की ऐसी चुनिंदा कार्रवाईयों से अमेरिका के वैश्विक संबंध और आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है।

सदन न्यायपालिका समिति के सदस्य और सांसद लांस गुडेन ने पत्र लिखकर अमेरिकी अटार्नी जनरल मेरिक बी गारलैंड से जवाब मांगा है। गुडेन ने अपने पत्र में पूछा कि यदि भारत प्रत्यर्पण अनुरोध का पालन करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका क्या करेगा। उन्होंने न्याय विभाग द्वारा विदेशी इकाइयों के विरुद्ध किए गए अभियोजन के बारे में भी जवाब मांगा। उन्होंने पत्र में यह भी पूछा कि क्या इसका जॉर्ज सोरोस से कोई संबंध है

गुडेन ने कहा कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक है। न्याय विभाग को कमजोर अधिकार क्षेत्र वाले मामलों को आगे बढ़ाने, विदेशों में अफवाहों का पीछा करने के बजाय घरेलू स्तर पर बुरे लोगों को दंडित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सांसद ने कहा कि उन संस्थाओं को निशाना बनाना जो अरबों डॉलर का निवेश करती हैं और अमेरिकियों के लिए हजारों नौकरियां पैदा करती हैं, दीर्घकाल में अमेरिका को ही नुकसान पहुंचा सकता है।

उन्होंने कहा कि जब हम हिंसक अपराध, आर्थिक जासूसी से जुड़े खतरों को नजरअंदाज कर देते हैं और उन लोगों के पीछे पड़ जाते हैं जो हमारे आर्थिक विकास में योगदान देते हैं, तो यह हमारे देश में निवेश करने वाले मूल्यवान निवेशकों को हतोत्साहित करता है। ऐसा माहौल अमेरिका के औद्योगिक आधार और आर्थिक विकास के प्रयासों को रोक देगा। साथ ही बढ़ते निवेश के साथ अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप की प्रतिबद्धता को कमजोर करेगा।

गुडेन ने कहा कि इन फैसलों से साफ है कि बाइडन प्रशासन के अंत होने वाला है। इसका एकमात्र लक्ष्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए मुश्किलें पैदा करना है। न्याय विभाग को अमेरिकी लोगों की सेवा करने के लिए आने वाले प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए। न्याय विभाग का कर्तव्य है कि आप ऐसी जटिलताएं पैदा न करें, जिससे अमेरिका की भू-राजनीतिक प्रतिष्ठा को खतरा हो।

उन्होंने कहा कि मैं न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा हाल ही में विदेशी संस्थाओं के खिलाफ चुनिंदा मामलों की जांच के बारे में पूछताछ करने के पत्र लिख रहा हूं। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में हमारा देश एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, अमेरिकियों को उम्मीद है कि यह समृद्धि, विकास, आर्थिक सुधार और राजनीतिक स्वतंत्रता के पुनरुद्धार का प्रतीक होगा। हमारे देश की समृद्धि को पुनर्जीवित करने के प्रयास में एक महत्वपूर्ण कारक अमेरिका में व्यापार करने के लिए संभावित निवेशकों की क्षमता और स्वतंत्रता शामिल है।

उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर बढ़ते हिंसक अपराधों के बारे में जनता के आक्रोश को पूरी तरह दरकिनार करते हुए न्याय विभाग विदेशों में कथित अन्याय के लिए व्यवसायों को लक्षित करने के लिए नए अभियान चला रहा है।

सांसद ने अदाणी मामले को लेकर न्याय विभाग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अदाणी मामले में आरोप सच साबित हो जाएं, फिर भी हम इस मुद्दे पर उचित और अंतिम मध्यस्थ नहीं बन पाएंगे। ये रिश्वत कथित तौर पर भारत में भारतीय राज्य सरकार के अधिकारियों को एक भारतीय कंपनी के भारतीय अधिकारियों द्वारा दी गई थी, जिसमें किसी भी अमेरिकी पक्ष की कोई ठोस संलिप्तता या नुकसान नहीं था। इसके विपरीत अमेरिकी कंपनी स्मार्टमैटिक के अधिकारियों ने कथित तौर पर धन शोधन किया और विदेशी सरकारों को रिश्वत दी। यदि मामला संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण सांठगांठ से जुड़ा है, तो न्याय विभाग ने एक भी अमेरिकी पर अभियोग क्यों नहीं लगाया है

उन्होंने पूछा कि क्या इस योजना में कोई अमेरिकी शामिल नहीं था डीओजे ने गौतम अदाणी के खिलाफ ही मामला क्यों चलाया, जबकि कथित आपराधिक कृत्य और इसमें शामिल पक्ष भारत में हैं क्या आप भारत में न्याय लागू करना चाहते हैं क्या न्याय विभाग इस मामले में शामिल भारतीय अधिकारियों के प्रत्यर्पण की मांग करेगा अगर भारत प्रत्यर्पण अनुरोध का पालन करने से इनकार कर देता है और इस मामले पर एकमात्र अधिकार का दावा करता है, तो न्याय विभाग की आकस्मिक योजना क्या होगी क्या न्याय विभाग या बाइडन प्रशासन इस मामले को संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत जैसे सहयोगी के बीच एक अंतरराष्ट्रीय घटना में बदलने के लिए तैयार है

अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी समूह पर क्या आरोप लगाए

अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अदाणी (62), उनके भतीजे सागर अदाणी और अन्य पर सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए 2020 से 2024 के बीच भारतीय सरकारी अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अदाणी पर 2,029 करोड़ रुपये (265 मिलियन डॉलर) की रिश्वतखोरी का आरोप लगा है। एक अनुमान के अनुसार इससे समूह को संभावित रूप से दो अरब डॉलर से अधिक का लाभ हो सकता है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया कि यह सब उन अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छुपाया गया, जिनसे अदाणी समूह ने इस परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। कुछ रिपोर्ट्स में किए गए दावों के अनुसार, गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया।

चुनौतियों के बावजूद 2024 में वाहन बिक्री में 9 प्रतिशत उछाल, भीषण गर्मी-चुनाव और मानसून से जूझता रहा उद्योग

नईदिल्ली, एजेंसी। चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बीच दोपहिया और यात्री वाहनों की मजबूत मांग से 2024 में गाड़ियों की बिक्री में सालाना आधार पर 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक,

कैलेंडर वर्ष 2024 में देशभर में कुल 2,61,07,679 वाहन बिके। 2023 में कुल 2,39,28,293 गाड़ियां बिकी थीं। फाडा के अध्यक्ष सी एस विग्नेश्वर ने कहा, 2024 में भीषण गर्मी, केंद्र एवं राज्यों में चुनाव और असमान मानसून सहित कई प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वाहन खुदरा उद्योग मजबूत बना रहा। संगठन के अध्यक्ष ने कहा, दोपहिया वाहन सेगमेंट में बेहतर आपूर्ति, नए मॉडल और मजबूत ग्रामीण मांग ने बिक्री में वृद्धि को बढ़ावा दिया। हालांकि, वित्तीय बाधाएं और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की लगातार बढ़ रही संख्या से चुनौती मिल रही है।इसके अलावा, ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के बीच कीमतों को लेकर सतर्क रहने वाले ग्राहकों की धारणा पर भी नजर रखने की जरूरत है।

गंभीर के दबाव में रोहित और विराट खेलेंगे रणजी ट्रॉफी!

टेस्ट क्रिकेट में खेलने वाले खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट को गंभीरता से लें : गौतम

नईदिल्ली, एजेंसी। क्या विराट कोहली और रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट में फ्यूचर बचा हुआ है? यह सवाल हेड कोच गौतम गंभीर से पूछा गया था. इस इस पर गंभीर ने कहा, यह उन पर निर्भर करता है. वहीं गंभीर ने यह भी स्पष्ट किया कि वह चाहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में खेलने वाले खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट को गंभीरता से लें और अगर वे कहीं और खेलने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं तो रणजी ट्रॉफी खेलें. यानी एक बात तो साफ है कि इशारों- इशारों में हेड कोच गौतम गंभीर ने यह बात स्पष्ट कर दी है कि कोहली और रोहित को घरेलू क्रिकेट में, खास तौर पर रेडबॉल क्रिकेट खेखेलने के लिए उतरना होगा. भारत के कई सुपर स्टार क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट के रेड बॉल फॉर्मेट (फर्स्ट क्लास क्रिकेट) से लंबे समय से दूर हैं.

विराट कोहली (2 से 5 नवंबर) ने आखिरी बार 2012 में घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेला था, रोहित शर्मा ने 2015 (7 से 10 नवंबर) में खेलते हुए दिखे थे. कोहली ने यह मुकाबला गाजियाबाद में यूपी के खिलाफ खेला, जहां उन्होंने दोनों पारियों में 14 और 43 रन बनाए. वहीं रोहित आखिरी बार फर्स्ट क्लास मैच यूपी के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेलते दिखे थे, जहां उन्होंने 113 रनों की शानदार पारी खेली. पिछले चार वर्षों में शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा , मोहम्मद सिराज और केएल राहुल ने कुल मिलाकर सिर्फ चार लंबे फॉर्मेट वाले घरेलू मैच खेले हैं. आंकड़े खुद ही सब कुछ बयां कर रहे हैं. भारत की टेस्ट टीम के मुख्य खिलाड़ी बमुश्किल ही घरेलू मैदानों पर खेलते हैं, और लाल गेंद से मैच खेलने का अभ्यास न होने का असर इंटरनेशनल नतीजों पर पड़ रहा है.

रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने एक दशक बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी गत रविवार को ऑस्ट्रेलिया के सामने सरेंडर कर दी. इससे पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था. इन दो झटकों के कारण ही भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल खेलने से चूक गया.

कोहली ने 5 टेस्ट मैचों में 190 रन 23.75 के एवरेज से बनाए. वहीं रोहित शर्मा का तो बल्ले से बहुत ही बुरा हाल रहा. रोहित शर्मा ने 3 मैचों में महज 31 रन 6.20 के एवरेज साथ बना पाए. वहीं कई दिग्गज क्रिकेटर भी रोहित शर्मा और कोहली को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दे चुके हैं.

बीजीटी नहीं, न्यूजीलैंड से घर में हारना ज्यादा पीड़ादायक : युवराज सिंह

दुबई, एजेंसी। विश्व कप विजेता पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू मैदान पर सूपड़ा साफ होना भारतीय टीम के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की हार से भी बड़ी असफलता है। भारत को पिछले कुछ महीनों में टेस्ट क्रिकेट में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उसे घरेलू मैदान पर कमजोर न्यूजीलैंड से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जो टीम के टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ था। इसके बाद उसे पांच मैच की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से उसकी धरती पर 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।बहरहाल, युवराज ने कहा कि मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड से हारना अधिक पीड़ादायक है। क्योंकि वे घरेलू मैदान पर 3-0 से हार गए। आप जानते हैं, यह स्वीकार्य नहीं है। इसे (बीजीटी हारना) तब भी स्वीकार किया जा सकता है क्योंकि आप ऑस्ट्रेलिया में दो बार इस जीत चुके हैं और इस बार आपको हार का सामना करना पड़ा। भारत की 2011 विश्व कप जीत के नायक 43 वर्षीय युवराज ने कहा कि मेरा मानना है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले कई वर्षों से बेहद मजबूत टीम रही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली ने एक शतक लगाया लेकिन वह लगातार ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर आउट हुए। दूसरी तरफ रोहित शर्मा पांच पारियों में केवल 31 रन बना पाए और इसलिए उन्होंने सिडनी में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेलने का फैसला किया। लेकिन युवराज ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की पिछली उपलब्धियों को देखते हुए उनकी आलोचना करना अनुचित है।

बेन स्टोक्स को हॉस्पिटल में कराना पड़ा एडमिट, हुआ बड़ा ऑपरेशन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड की टीम पिछले साल दिसंबर के महीने में न्यूजीलैंड के दौरे पर गई थी. इस टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में उन्हें हैमस्ट्रिंग की इंजरी हो गई थी. अब इस इंजरी की वजह से उन्हें हॉस्पिटल में जाकर एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी है. उन्होंने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया पर ताजा अपडेट दिया है. स्टोक्स ने सर्जरी के बाद अपने पांव की तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पैर में ब्रेस लगाए हुए नजर आ रहे हैं. वो कार में हैं और अपने पांव के नीच तकिया भी रखा हुआ है. तस्वीर को देखकर कहा जा सकता है कि इंजरी गंभीर थी, जिसके लिए बड़ा ऑपरेशन करना पड़ा. अब सवाल है कि आखिर अब वो मैदान पर कब तक वापसी करेंगे?

सर्जरी के बाद बेन स्टोक्स के पांव में लगे मशीन को देखने के बाद सवाल गहरा गया कि आखिर वो कब तक मैदान से बाहर रहेंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पूरी तरह से रिकवरी करने में 3 महीने का समय लगेगा.

रणतुंगा ने दो स्तरीय टेस्ट क्रिकेट के खिलाफ चेतावनी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के 1996 विश्व कप विजेता कप्तान और क्रिकेट आइकन अर्जुन रणतुंगा ने क्रिकेट के ÷बिग थ्री÷ - भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया - द्वारा टेस्ट क्रिकेट परिदृश्य को पुनर्गठित करने के प्रस्ताव के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की है। तीनों शक्तिशाली देश एक दो स्तरीय प्रणाली बनाने की योजना बना रहे हैं जो अपने बीच मैचों को प्राथमिकता देगी, जिससे अन्य क्रिकेट खेलने वाले देशों को द्वितीयक दर्जा मिलेगा। रणतुंगा को डर है कि इस कदम से खेल के विकास को गंभीर नुकसान हो सकता है, खासकर छोटे क्रिकेट खेलने वाले देशों में।

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारतीय, अंग्रेजी और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख इस महीने के अंत में विवादास्पद प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए आईसीसी अधिकारियों से मिलने वाले हैं। एजेंडे में बिग थ्री के बीच टेस्ट मैचों की आवृत्ति बढ़ाने की योजना शामिल है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ये टीमें हर चार साल में एक बार के बजाय हर तीन साल में दो बार एक-दूसरे के साथ खेलें। इस व्यवस्था से श्रीलंका, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसे अन्य देशों के खिलाफ़ मैचों के लिए कम जगह बचेगी, जिससे बिग थ्री के बाहर की टीमें प्रभावी रूप से हाशिए पर चली जाएंगी।

रणतुंगा ने इस योजना की आलोचना में एकमत नहीं थे, उन्होंने इसे खेल की अखंडता पर मुनाफ़े को प्राथमिकता देने का एक स्पष्ट कदम बताया। रणतुंगा ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया,÷मैं अर्थशास्त्र को समझता हूं। इस तरह के कदम से निश्चित रूप से तीनों बोर्डों की जेबें भर जाएंगी, लेकिन खेल सिर्फ़ पाउंड, डॉलर और रुपए के बारे में नहीं है। प्रशासकों को खेल को पोषित और संरक्षित करना चाहिए, न कि सिर्फ़ अपने खजाने को मोटा करना चाहिए। रणतुंगा ने प्रस्ताव के दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डाला, खासकर उभरते हुए क्रिकेट देशों के लिए। उन्होंने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ के प्रदर्शन का संदर्भ दिया, जिन्होंने पिछले साल गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ अपनी टीम की उल्लेखनीय जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।गाबा में ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराना बहुत मुश्किल है, लेकिन यह खिलाड़ी सनसनीखेज था। मुझे यकीन है कि ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने भी कच्ची प्रतिभा के इस प्रदर्शन की सराहना की होगी। आप अन्य देशों को बाहर करके उनके जैसे खिलाड़ियों को मौका क्यों नहीं देना चाहेंगे? उन्होंने तर्क दिया कि दो-स्तरीय प्रणाली छोटे देशों के खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के अवसर से वंचित करेगी, जिससे उनका विकास अवरुद्ध होगा और प्रशंसकों को उस तरह के उलटफेर देखने का मौका नहीं मिलेगा जो क्रिकेट को खास बनाते हैं।

रणतुंगा ने क्रिकेट के निगमीकरण की आलोचना करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उन्होंने पैसे के लालची प्रशासकों को खेल की भावना पर वित्तीय लाभ को प्राथमिकता देने के लिए दोषी ठहराया। ÷क्रिकेट को चलाने के लिए, आपको जरूरी नहीं कि पूर्व खिलाड़ी ही हों, लेकिन आपको खेल की भावना - इसके मूल्यों और इसके समृद्ध इतिहास को समझने की जरूरत है। दुर्भाग्य से, जब कॉर्पोरेट्स शो चलाते हैं, तो सब कुछ संख्या और लाभ तक सीमित हो जाता है। उन्होंने क्रिकेट के प्रशासकों से खेल की वैश्विक अपील और समावेशिता को बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी को याद रखने का आग्रह किया, चेतावनी दी कि कॉर्पोरेट-प्रथम दृष्टिकोण प्रशंसकों और खिलाड़ियों को समान रूप से अलग-थलग कर सकता है। रणतुंगा ने भारत, सबसे प्रभावशाली क्रिकेट राष्ट्र, से अधिक समावेशी और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने भारत के हितों को विश्व क्रिकेट के व्यापक हित के साथ संतुलित करने के लिए जगमोहन डालमिया, राज सिंह डूंगरपुर, शरद पवार और शशांक मनोहर जैसे पूर्व भारतीय क्रिकेट प्रशासकों की प्रशंसा की। ÷भारत हमेशा विश्व क्रिकेट को आकार देने में सबसे आगे रहा है। जगमोहन डालमिया, राज सिंह डूंगरपुर, शरद पवार और शशांक मनोहर जैसे प्रशासकों के दिल में भारतीय हित थे, लेकिन वे व्यापक तस्वीर को भी समझते थे। आज हमें भारत से इसी तरह के दृष्टिकोण की आवश्यकता है - इस तरह के स्वार्थी दृष्टिकोण की नहीं।

इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 14 जनवरी से

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत इस बार 20 खिलाड़ियों का दल उतारेगा। पिछले सीजन में 14 खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिए थे। लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु भारतीय दल की अगुआई करेंगे।यह टूर्नामेंट 14 जनवरी से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव इंडोर हॉल में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में ओलिंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन, एन से यंग और दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शि यूकी जैसे सुपरस्टार भी खेलते नजर आएंगे।भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बयान जारी कर कहा कि सुपर 750 प्रतियोगिता में इतने सारे भारतीय खिलाड़ियों का भाग लेना बताता है कि वर्ल्ड लेवल पर भारत के बैडमिंटन ने कितना विकास किया है। यह विश्व मंच पर भारतीय बैडमिंटन के विकास और उत्थान का एक संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि यह तो बस शुरुआत है। 2025 एक ऐसा साल होगा, जिसमें बड़े नामों के साथ-साथ और भी नाम शामिल होंगे।मेंस डबल्स में चिराग-सात्विक साईराज करेंगे अगुआई चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मेंस डबल्स में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। दोनों की जोडी पिछले साल फाइनल में पहुंची थी, हालांकि टाइट जीतने में सफल नहीं हो सके थे। पेरिस ओलिंपिक के बाद चोट के कारण सात्विक बहुत ज्यादा मैदान पर नहीं दिखे हैं।

विमेंस प्रीमियर लीग लखनऊ और बड़ौदा में होगी

बीसीसीआई ने वेन्यू फाइनल किए, 2 फेज में टूर्नामेंट, 6 या 7 फरवरी को पहला मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के लिए बीसीसीआई ने 2 वेन्यू फाइनल कर लिए हैं। बड़ौदा और लखनऊ में 5 टीमों के बीच सभी मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट 6 या 7 फरवरी से शुरू हो सकता है। बड़ौदा में सेकेंड फेज के मैच होंगे, जिनमें क्वालिफायर और फाइनल भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट का ऑफिशियल शेड्यूल रिलीज होना बाकी है। हालांकि, बोर्ड ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन को उनके ग्राउंड पर मैच कराने की जानकारी दे दी है। शेड्यूल का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कुछ ही दिनों में हो जाएगा है। बड़ौदा के कोटाम्बी स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच दिसंबर 2024 में विमेंस वनडे के 3 मैच खेले गए थे।

बड़ौदा में विमेंस इंटरनेशनल मैच हुआ था बड़ौदा में कोटाम्बी स्टेडियम है, जिसका उद्घाटन पिछले महीने ही हुआ था। यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच मैच खेला गया था। यहां 3 वनडे हुए थे। इस स्टेडियम में सीनियर विमेंस टी-20 टूर्नामेंट और रणजी ट्रॉफी के मैच भी हो चुके हैं। स्टेडियम में फ्लड लाइट्स लग चुके हैं। 9 जनवरी से शुरू होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट मैच यहां होंगे, इसमें इन लाइट्स की टेस्टिंग भी हो जाएगी।

टूर्नामेंट का फाइनल 8 या 9 मार्च को हो सकता है। जिसके बाद 14 मार्च से ही आईपीएल भी शुरू हो जाएगा। डब्ल्यूपीएल का पहला सीजन मुंबई में ही हुआ था। जबकि दूसरे सीजन में बेंगलुरु और दिल्ली को वेन्यू बनाया गया था। बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है, वहीं मुंबई ने पहले सीजन का खिताब जीता था। दोनों फाइनल में दिल्ली को ही हार मिली।

ऋषभ पंत नहीं, एबी डिविलियर्स ने इस बल्लेबाज को माना धोनी की छवि

नईदिल्ली, एजेंसी। एसए-20 का आगामी संस्करण उम्मीदों से बढ़कर होने की उम्मीद है। दक्षिण अफ्रीका का प्रमुख टी20 टूर्नामेंट 9 जनवरी को एसनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केपटाउन के बीच रोमांचक मुकाबले के साथ शुरू होगा। कई होनहार क्रिकेटर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।आगामी संस्करण को लेकर एबी डिविलियर्स ने भी बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि आगामी लीग में डोनोवन फरेरा पर सबकी निगाहें होंगी। 26 वर्षीय खिलाड़ी एसए 20 में जॉबर्ग सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व करेंगे और उन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने भी चुना था। दिल्ली ने उन्हें 75 लाख में खरीदा और अभिषेक पोरेल और केएल राहुल के साथ वह भी विकेटकीपर के दावेदारों में से एक होंगे।

डिविलियर्स ने 26 वर्षीय खिलाड़ी की प्रशंसा की, लेकिन जोर दिया कि इस खिलाड़ी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए क्योंकि वह कहर बरपाने की क्षमता रखता है। डिविलियर्स ने यूट्यूब पर कहा कि मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी जो सबसे अलग है। मैं अक्सर उसके बारे में नहीं बोलता। हालांकि अतीत में मैंने उसके बारे में नियमित रूप से बात की है, वह हैं डोनोवन फरेरा। उसके बारे में एकमात्र दुखद बात यह है कि वह अपनी वास्तविक क्षमता के अनुसार बहुत नीचे बल्लेबाजी कर रहा है। फिलहाल वह नंबर 6 पर बल्लेबाजी करता है। उसने पिछले सीजन में 1 या 2 बार अपनी क्षमता का थोड़ा सा प्रदर्शन किया था, लेकिन पर्याप्त गेंदें नहीं। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि वह 6वें ओवर से आ सकता है। अक्सर वह 16वें या 17वें ओवर में ही आता है और वहां भी सचमुच अपना कौशल दिखाता है और फिर वह आउट हो जाता है। वह एक ऐसा लड़का है जिस पर मैं नजर रखूंगा।

डिविलियर्स ने आगे इस खिलाड़ी की तुलना पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी से की, जिन्हें आईपीएल में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। डिविलियर्स ने कहा कि मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन मैच विजेता है। बस शानदार खिलाड़ी है। वह मुझे कुछ-कुछ एमएस धोनी की याद दिलाते हैं। मैं उनकी तुलना नहीं कर रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि वह मुझे उसकी याद दिलाता है जहां एमएस वास्तव में गेंदबाजों के खिलाफ क्रूर था। उन्होंने वास्तव में गेंद को मैदान के सभी हिस्सों में उछाला है।

ऑस्कर 2025 के दावेदारों में कंगुवा ने बनाई जगह, 323 फिल्मों को दिया टकराव

दक्षिण भारतीय स्टार सूर्या और 'एनिमल' फेम बॉबी देओल स्टारर 'कंगुवा' पिछले साल रिलीज हुई थी। इस फिल्म के सिनेमाघरों में पहुंचने से पहले दर्शकों में जबरदस्त क्रेज था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। फिल्म को लाउड साउंड स्कोर और दूसरे एक्टर्स के कम स्क्रीन टाइम के चलते यूजर्स ने सोशल मीडिया पर काफी ट्रॉल किया। हालांकि अब 'कंगुवा' को लेकर एक बहुत अच्छी खबर आ रही है।

सिरुथाई शिवा के डायरेक्शन में बनी फिल्म ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'कंगुवा' ने लगभग 323 ग्लोबल फिल्मों को टक्कर देते हुए ऑस्कर 2025 के दावेदारों की लिस्ट में जगह बना ली है। फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयबालन ने एक्स (ट्विटर) पर यह खबर शेयर की है।

उनके ट्वीट में दावेदारों की सूची और सूर्या के पोस्टर के साथ लिखा गया है, ब्रेकिंग कंगुवा ने ऑस्कर 2025 में एंट्री की। जैसे ही यह खबर सामने आई इंटरनेट पर वायरल हो गई। फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

क्यों विवादों में आई नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री ?

अभिनेत्री नयनतारा की नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल जब से रिलीज हुई है, तब से चर्चा में है। और चर्चा हो रही है इसके कानूनी मुसीबतों में घिरे रहने को लेकर। दरअसल, अपनी रिलीज से दो दिन पहले खुद नयनतारा ने यह खुलासा किया कि धनुष ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। धनुष और नयनतारा आमने-सामने आए और दोनों के बीच कॉपीराइट विवाद खूब उछला। अब कहा जा रहा है कि फिल्म चंद्रमुखी के निर्माताओं ने भी अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजा है। आखिर क्या है पूरा मामला?

कैसे हुई विवाद की शुरुआत?

डॉक्यूमेंट्री नयनताराः बियॉन्ड द फेयरी टेल 18 नवंबर 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। रिलीज से पहले ही यह कानूनी लड़ाई को लेकर चर्चा में आ गई। दरअसल, इसकी रिलीज से पहले धनुष ने नयनतारा को कानूनी नोटिस भेजा था। धनुष ने आरोप लगाया कि उनकी फिल्म'नयनम राउडी धान' का बीटीएस क्लिप नयनतारा ने बिना इजाजत अपनी डॉक्यूमेंट्री में इस्तेमाल कर लिया। इसके बाद नयनतारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर धनुष के खिलाफ निंदा पोस्ट साझा किया। देखते-देखते दोनों के बीच कानूनी लड़ाई छिड़ गई।

नयनतारा ने सोशल मीडिया पर लिखा पोस्ट और किया ये दावा

अभिनेत्री नयनतारा ने 16 नवंबर को यानी अपनी नेटफ्लिक्स फिल्म की रिलीज से दो दिन पहले धनुष द्वारा उनकी डॉक्यूमेंट्री में बीटीएस क्लिप के इस्तेमाल को लेकर कानूनी नोटिस भेजे जाने के बाद एक निंदा पत्र लिखा। उन्होंने दावा किया कि वे और उनके पति विग्नेश 'नयनम राउडी धान' का कंटेंट डॉक्यूमेंट्री में इस्तेमाल करने के लिए धनुष से इजाजत मांगने गए थे, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

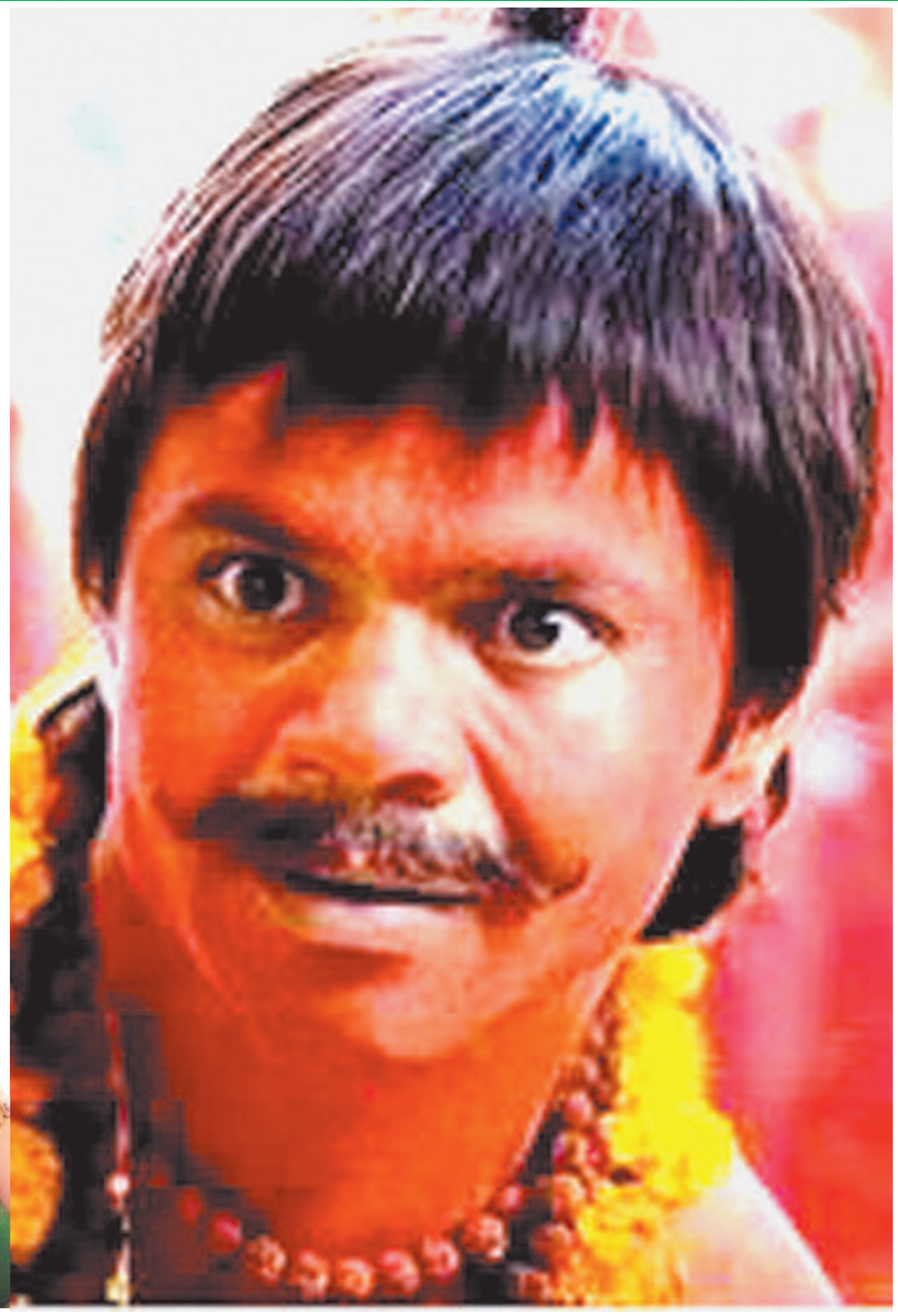

रेस की तैयारी के दौरान हुआ हादसा

अजित कुमार का दुबई में एक्सीडेंट, हवा में उड़े कार के चिथड़े

कार रेसिंग के शौकीन अजित कुमार दुबई 24-घंटे की रेस के लिए तैयार होने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गए। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अभिनेता की कार के दुर्घटना का वीडियो शेयर किया है। इस दुर्घटना के दौरान अभिनेता की कार के चिथड़े उड़ गए। हालांकि, बताया जा रहा है कि अभिनेता दुर्घटना में सुरक्षित बच गए हैं।

दुबई में अजीत कुमार की कार दुर्घटनाग्रस्त

अजित कुमार 24॥ दुबई 2025 कार रेसिंग में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार थे। रेस से पहले अभिनेता ने रेस ट्रैक पर प्रैक्टिस भी किया। इससे पहले दिन में अभिनेता की टीम ने साझा किया कि वह आज से दुबई में अपना प्रैक्टिस सेशन शुरू करेंगे। हालांकि, यह प्रैक्टिस सेशन उनके लिए जानलेवा हो गया। समय पर अभिनेता को कार से निकाला गया और सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, जिससे वह बड़े जोखिम से बच गए।

वायरल हुआ एक्सीडेंट का वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे प्रैक्टिस सेशन वीडियो में अभिनेता की कार अचानक कंट्रोल खो देती है और ट्रैक पर ही घूमते हुए नजर आती है। आगे जाकर कार टकरा जाती है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे कार के चिथड़े उड़ जाते हैं, लेकिन समय पर अभिनेता को तुरंत कार से बाहर निकाल लिया जाता है। फैंस अभिनेता अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक अभिनेता या उनकी टीम की तरफ से कोई भी हेल्थ अपडेट साझा नहीं किया गया है।

दुबई में कार रेसिंग की प्रैक्टिस कर रहे थे अजित

अजित दुबई में होने वाले 24॥ दुबई 2025 रेस में भाग लेने वाले थे। अभिनेता ने अपनी टीम के साथ रेस के लिए प्रैक्टिस भी शुरू कर दी थी।

ज्योतिषी ने कर दी भविष्यवाणी...

ऐश्वर्या-अभिषेक लेंगे तलाक और सोनाक्षी-जहीर होंगे अलग

हाल ही में एक ज्योतिषी ने बॉलीवुड के दो मशहूर कपल्स, ऐश्वर्या राय- अभिषेक बच्चन और सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल के रिश्तों को लेकर चौंकाने वाली भविष्यवाणी की है। ज्योतिषी सुशील कुमार सिंह ने दावा किया है कि दोनों जोड़े जल्द ही तलाक ले सकते हैं, जिसके बाद उनके फैंस में हलचल मच गई है। ऐश्वर्या और अभिषेक के तलाक की अफवाहों ने कुछ समय पहले मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। लेकिन, न्यू ईयर के दौरान परिवार के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट होने के बाद इन अफवाहों का कोई ठोस आधार नहीं मिला। दोनों अभी भी एक साथ हैं। वहीं, सोनाक्षी और जहीर की शादी के बाद एक नया भविष्यवाणी सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि उनके रिश्ते में हिंसा की स्थिति पैदा होगी, जिसके बाद उनका तलाक होगा। द आवारा मुसाफिर पॉडकास्ट में ज्योतिषी सुशील कुमार सिंह ने कहा कि ऐश्वर्या और अभिषेक का तलाक होना तय है, जबकि सोनाक्षी और जहीर का रिश्ता भी खत्म होगा। सिंह ने यह भी दावा किया कि सोनाक्षी और जहीर का तलाक एक हिंसक बहस के बाद होगा, और यह घटना उनके बच्चे के जन्म के बाद घटित होगी। इस तरह की भविष्यवाणियों ने कपल्स के फैंस को चौंका दिया है और सोशल मीडिया पर लोग इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि, इस तरह की भविष्यवाणियों की सटीकता पर सवाल भी उठ रहे हैं।

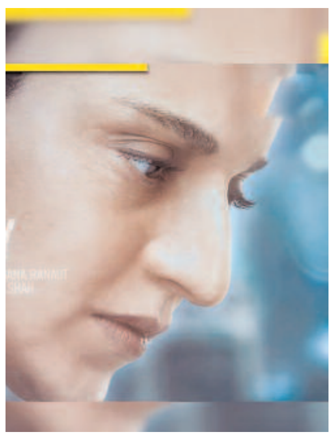

कंगना ने अपनी फिल्म इमरजेंसी में कुछ सीन काटे जाने पर की बात

आगामी फिल्म इमरजेंसी में नजर आने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा फिल्म से कुछ अंश हटाने के आदेश पर प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री ने बात करते हुए बताया कि एक निर्देशक के तौर पर वह मूल कथानक वाली फिल्म ही चाहती थीं। हालांकि, वह सीबीएफसी के फैसले को स्वीकार करती हैं। कंगना ने कहा कि मैं चाहती थी कि इसका पूरा संस्करण आए। लेकिन कट के साथ कोई समस्या नहीं है, क्योंकि ऐसा नहीं है कि फिल्म किसी का मजाक उड़ाने के लिए बनाई गई है।

राम चरण ने दुर्घटना में मारे गए फैंस के परिवारों को 10 लाख रुपये की मदद दी

गेम चेंजर के प्री-रिलीज़ इवेंट का आयोजन 4 जनवरी को राजमहेंद्रववरम में हुआ, जिसमें आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। यहां दुख की बात यह है कि दो फैंस–जो काकीनाडा जिले के गैगोलुपाडू के निवासी थे, इवेंट से घर लौटते वक्त एक दुर्घटना का शिकार हो गए। उनकी बाइक को एक वैन ने वाडीसलेरू के पास टक्कर मारी, जिससे दोनों की असमय मौत हो गई। इस घटना से गहरे दुखी राम चरण ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। घटना की जानकारी मिलते ही, उन्होंने तुरंत अपनी टीम को परिवारों को सांत्वना देने के लिए भेजा। इसके साथ ही, उन्होंने दोनों परिवारों को प्रत्येक को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की, ताकि इस कठिन समय में उनकी मदद हो सके। राम चरण की यह दयालु भावना उनके प्रशंसकों द्वारा सराही गई है, जो उनकी अपने समर्थकों के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

बेबी जॉन हुई फ्लॉप तो वरुण धवन के सपोर्ट में उतरे राजपाल यादव

वरुण धवन का करियर पिछले कुछ सालों से डांवाडोल ही चल रहा है। एक हिट की तलाश में अभिनेता ने पिछले साल क्रिसमस के मौके पर एक बड़ा दांव खेला और बेबी जॉन के साथ अपने करियर को संजीवनी देने की कोशिश की।

हालांकि, वरुण का यह प्रयास भी असफल ही रहा है। अब हाल ही में, अभिनेता राजपाल यादव ने बताया है कि बेबी जॉन के खराब प्रदर्शन ने वरुण धवन को कैसे प्रभावित किया।

वरुण के अभिनय के मुरीद हुए अभिनेताः राजपाल यादव ने हाल ही में बॉलीवुड बबल के साथ एक साक्षात्कार में वरुण धवन और एटली के बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर खुलकर बात की है। अभिनेता ने कहा, वरुण सच में एक मेहनती इंसान हैं। उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में टाइप कास्टिंग से बचने की कोशिश की है। इसलिए उन्होंने हमेशा अलग-अलग भूमिकाओं की फिल्में की हैं। यही नहीं, उनके अभिनय की दर्शक भी काफी प्रशंसा करते हैं। मुझे लगता है कि वह एक अच्छे अभिनेता हैं, जो चैलेंजिंग रोल्स करना पसंद करते हैं।

शाहरुख खान से की वरुण की तुलनाः शाहरुख से वरुण की तुलना करते हुए राजपाल यादव ने कहा, मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में जैसे शाहरुख खान की जर्नी रही है। वैसी ही वरुण धवन की भी रही है।

दोनों ने चैलेंजिंग रोल्स को काफी आराम से किया है। दोनों ने ही अलग-अलग भूमिकाओं के साथ एक्सपेरिमेंट किया है। दोनों का करियर भी समान है और मुझे लगता है कि वरुण जल्द ही फिर से उभरेंगे और स्क्रीन पर दमदार वापसी करेंगे।

बॉलीवुड में है बदलाव की जरूरतः इससे पहले वरुण धवन ने भी रणवीर इलाहाबादी के साथ एक साक्षात्कार में कहा था कि बॉलीवुड में अब बदलाव की जरूरत है।

यही नहीं, उन्होंने सलमान खान और शाहरुख खान जैसे सितारों की भी तारीफ की और कहा कि वे जमीन से जुड़े हैं और उन्हें पता है कि इंडस्ट्री में क्या बदलाव हो रहे हैं। यही नहीं, वरुण ने यह भी बताया कि अब नए लोगों के लिए बॉलीवुड काफी चैलेंजिंग हो गया है।

इन सितारों से सजी है फिल्मः

बात करें बेबी जॉन की तो यह फिल्म वरुण के करियर में बड़ी फ्लॉप साबित हुई है। फिल्म अपने बजट जितना भी नहीं कमा सकी है। फिल्म में वरुण के अलावा कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी मुख्य भूमिका में हैं।

एकता कपूर ने गैर-पेशेवर अभिनेताओं पर साधा निशाना, निर्माता ने कहा- जब तक मैं बोलती हूं...

निर्माता एकता कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट की। इस पोस्ट में एकता ने हाल ही में साक्षात्कारों में उनके शो के बारे में गलत जानकारी देने के लिए गैर-पेशेवर अभिनेताओं पर कटाक्ष किया। दरअसल, हाल ही में अभिनेता राम कपूर ने एक इंटरव्यू में एकता के एक शो के बारे में बात की थी।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एकता कपूर ने लिखा, मेरे शो के बारे में इंटरव्यू देने वाले गैर-पेशेवर अभिनेताओं को चुप रहना चाहिए! झूठी जानकारी और गलत कहानियां। यह केवल तब तक चल सकती हैं जब तक मैं बोलती हूं...लेकिन चुप्पी में गरिमा होती है। हालांकि एकता ने किसी अभिनेता का नाम नहीं लिया, लेकिन रेडिट यूजर्स ने अनुमान लगाया कि उनकी टिप्पणी राम कपूर के बारे में थी। यह अटकलें तब शुरू हुईं जब उन्होंने हाल ही में कहा कि वह बड़े अच्छे लगते हैं में साक्षी तंवर को किस करने हिचकिचा रहे थे, उन्होंने दावा किया कि इससे धारावाहिक की टीआरपी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

जैकी श्रॉफ ने खुद को खुली किताब बताया, अलग-अलग किरदार निभाने के बारे में खुलकर बात की

भारतीय सिनेमा के सबसे मशहूर और सम्मानित अभिनेताओं में से एक जैकी श्रॉफ ने दशकों तक एक शानदार करियर बनाया है। अपनी पूरी फ़िल्मोग्राफी में, दिग्गज स्टार ने कभी भी अलग-अलग किरदार निभाने और अपने हुनर को समृद्ध बनाने से परहेज़ नहीं किया। चाहे मुख्य युवा, दोस्त, गुस्सैल युवक या ग्रे रोल निभाना हो, जैकी श्रॉफ ने खुद को एक बहुमुखी पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थापित किया है। हाल ही में, बेबी जॉन अभिनेता ने विभिन्न किरदार निभाने के बारे में खुलकर बात की और बताया कि कैसे वह फिल्म निर्माताओं को अपने किरदारों के इर्द-गिर्द एक छवि बनाने देते हैं।

इस बारे में बात करते हुए जैकी श्रॉफ ने कहा, मैं एक खुली किताब हूं और काम करता रहता हूं। मैं एक अभिनेता हूं; मैं नए किरदारों की खोज करता रहता हूं, चाहे वह बेबी जॉन हो या कोई और फिल्म। मैं खुद को निर्देशक की दृष्टि और कैमरामैन और तकनीशियनों की क्षमता पर छोड़ देता हूं।

-साभार एजेंसी